उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 34 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 21 सितंबर-2026

अंदर के पृष्ठ पर | चौबेपुर सीएचसी का निरीक्षण कर चिकित्सा कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण 3 | नंदीग्राम में ममता बनर्जी ने कांग्रेस को समर्थन देने का ऐलान किया 5

दिल्ली एसआईआर के बाद बड़ा झटका

आडवाणी, सिसोदिया और केजरीवाल समेत 33 लाख मतदाताओं को नोटिस, सूची में सिब्बल भी

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली । मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही इन नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। मतदाताओं को अपने जवाब और दस्तावेज संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के पास 29 अक्तूबर तक जमा कराने होंगे।

विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत दिल्ली में एक बड़ा मामला सामने आया है।

निर्वाचन आयोग द्वारा विवरणों में कथित विसंगतियों के कारण नोटिस पाने वाले 33 लाख मतदाताओं की सूची में पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया जैसी कई प्रमुख हस्तियों के नाम भी शामिल हैं।

लालकृष्ण आडवाणी, बेटी और बहू को नोटिस

98 वर्षीय आडवाणी, उनकी बेटी प्रतिभा और बहू गीतिका को नोटिस जारी किए गए हैं, क्योंकि उनके नाम 2002 के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मतदाता सूची से मेल नहीं खा पाए। हालांकि, उनके बेटे जयंत इस मैपिंग प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पार कर चुके हैं। ये सभी नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र के मतदाता हैं।

मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी और बेटे को नोटिस

आप नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और उनके बेटे मीर को भी नोटिस मिला है। अधिकारियों के अनुसार, बेटे मीर के नोटिस में माता-पिता के नाम में विसंगति और पत्नी सीमा के नोटिस में उनके अपने नाम में बेमेल का कारण बताया गया है।

सूची में और कौन-कौन?

इस सूची में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल के नाम भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि दस्तावेजों के सत्यापन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की प्रविष्टि को मान्य कर दिया गया है और शालीमार बाग निर्वाचन क्षेत्र की अंतिम मतदाता सूची (जो 4 नवंबर को प्रकाशित होगी) में उनके नाम को शामिल करने के लिए सुरक्षित कर लिया गया है।एसआईआर प्रक्रिया और आगे की समय-सीमा30 जून से 17 अगस्त के बीच चलाए गए घर-घर सत्यापन अभियान के दौरान प्रत्येक मतदाता को एक गणना फॉर्म जमा करना आवश्यक था।

मसौदा सूचियों में शामिल लगभग 97 लाख मतदाताओं में से 33.13 लाख मतदाताओं को उनके फॉर्म में विसंगतियों के चलते नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है, जिसमें से अब तक 31.63 लाख से अधिक नोटिस दिए जा चुके हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही इन नामों को अंतिम मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। मतदाताओं को अपने जवाब और दस्तावेज संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) के पास 29 अक्तूबर तक जमा कराने होंगे, जबकि दावों और आपत्तियों का चरण 30 सितंबर को समाप्त होगा।

ईरान पर बड़े हमले की तैयारी में ट्रंप?

ईरानी सेना बोली- अगर कार्रवाई हुई तो सहयोगियों को भुगतना पड़ेगा अंजाम

» बीपीएस न्यूज

तेहरान।ईरान के मिलिट्री हेडक्वार्टर ने मध्य पूर्व के देशों को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका उनके ठिकानों से ईरान पर फिर से बड़े हमले करता है, तो उन्हें भी साझेदार÷ माना जाएगा और उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के अनुसार, ईरान के केंद्रीय सैन्य कमांड ने ये बयान जारी किया,

जिसके मुताबिक उन्हें जानकारी मिली है कि अमेरिका, कुछ क्षेत्रीय देशों के समर्थन से, ईरान के खिलाफ फिर से कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया कि सेना का कहना है कि अमेरिका के किसी भी हमले के जवाब में इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी ठिकानों और हितों पर लगातार हमले किए जाएंगे। साथ ही यह चेतावनी भी दी कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी आक्रामकता का समर्थन करने वाले क्षेत्रीय देशों को भी इस संघर्ष में शामिल पक्ष माना जाएगा।

खातम अल-अंबिया हेडक्वार्टर ने बयान में कहा, ÷हम चेतावनी देते हैं कि अगर इस इलाके के देश इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के प्रति अपनी दोहरी नीति जारी रखते हुए एक ताकतवर और संप्रभु ईरान के खिलाफ अमेरिका के आक्रामक हमले में साथ देते हैं, तो उन्हें भी इस काम में साझेदार माना जाएगा और वे ईरान की ताकतवर सेना से संयम या शालीनता की उम्मीद नहीं कर सकते।÷

अटकलों को हवा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कैंप डेविड दौरा एक दिन पहले खत्म कर लौटने की वजह से भी उड़ी।

शनिवार शाम व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रंप की जल्दी वापसी की वजह व्हाइट हाउस ने स्पष्ट नहीं की। इस बीच ईरान के प्रेस टीवी ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हसकाह में खाराब अल-जिर एयरबेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी।

सिम बंद होते ही खाली हो गया बैंक खाताः 33 यूपीआई ट्रांजेक्शन में 11 लाख पार, ठगों ने अपनाया ठगी का नया तरीका

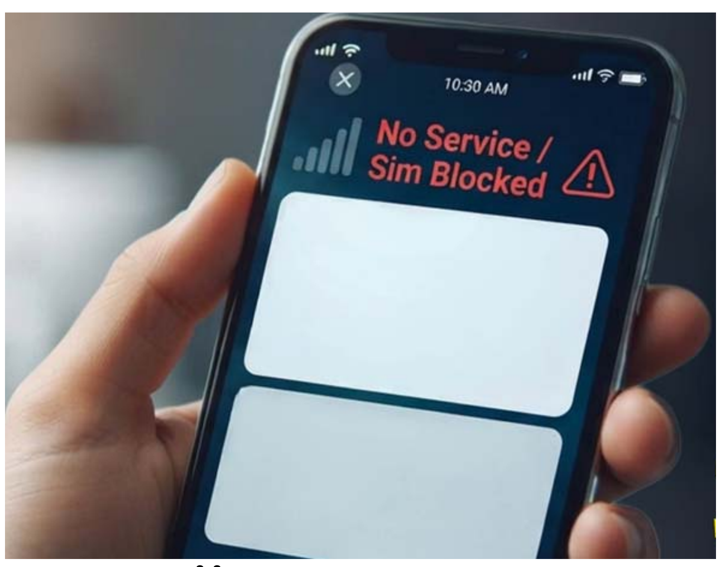

» बीपीएस न्यूज

शिमला। शिमला के चिड़गांव में साइबर ठगी का मामला सामने आया है, जहां बुजुर्ग के बैंक खाते से 33 अनधिकृत यूपीआई ट्रांजेक्शन के जरिए 11.04 लाख रुपये निकाल लिए गए। पीड़ित के मुताबिक, 5 सितंबर को अचानक उसका मोबाइल सिम बंद हो गया था। कॉल और मैसेज आना बंद होने के बाद उसे बैंक खाते से रकम निकलने की जानकारी मिली। पुलिस को सिम क्लोनिंग के जरिए ठगी का शक है।

अगर आपका सिम अचानक काम करना बंद कर दे तो सावधान हो जाएं। यह साइबर ठगों का हथकंडा हो सकता है जिससे आपका बैंक खाता खाली हो सकता है। इसे सिम क्लोनिंग कहा जाता है। ऐसी ही मामला जिला शिमला के चिड़गांव क्षेत्र में सामने आया है जहां पर साइबर ठगों ने एक बुजुर्ग के 11.04 लाख की साइबर धोखाधड़ी को अंजाम दिया है।

हुई 33 यूपीआई लेन-देन

पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्जकर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार स्थानीय निवासी बुजुर्ग ने पुलिस में शिकायत दी है कि उनका खाता यूको बैंक चिड़गांव में है। शिकायतकर्ता के मुताबिक 5 से 18 सितंबर 2026 के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति या व्यक्तियों ने उनके खाते से बिना जानकारी और अनुमति के 33 अनधिकृत यूपीआई लेन-देन किए। इन ट्रांजेक्शन के जरिये कुल 11,04,799.61 रुपये की राशि निकालकर या अन्य खातों में ट्रांसफर कर दी गई।

न फोन आया न कोई कॉल आई

शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्होंने स्वयं इनमें से कोई लेन-देन नहीं किया और न ही किसी अन्य व्यक्ति को खाते से ट्रांजेक्शन करने के लिए अधिकृत किया था। उन्होंने बताया कि 5 सितंबर को उनका मोबाइल सिम ने अचानक काम करना बंद कर दिया। इसके बाद उनके मोबाइल पर न तो कॉल आ रही थी और न ही कोई संदेश प्राप्त हो रहा था। इसके बाद जब उन्होंने मामले की जांच पड़ताल की तो उन्हें बैंक से जानकारी मिली कि उनके खाते से 11.04 लाख रुपये की राशि निकल गई है।

पुलिस लगा रही इस बात का पता

बैंक से जानकारी लेने पर पता चला कि अज्ञात बैंक खातों में 33 ट्रांजेक्शन के जरिये यह रकम ट्रांसफर की गई है। एसएसपी शिमला गौरव सिंह ने बताया कि पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर अनधिकृत यूपीआई लेन-देन और सिम बंद होने की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि रकम किन खातों में ट्रांसफर हुई और ठगी को किस तरीके से अंजाम दिया गया।

सिम क्लोनिंग कैसे काम करती है?

-डाटा निकालना- हैकर्स विशेष हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर टूल की मदद से आपके सिम कार्ड के गुप्त यूनिक आइडेंटिफायर (एसयूआईडी) और की की नकल करते हैं।

-नेटवर्क को धोखा देना- क्लोन किए गए सिम में मूल सिम जैसी ही जानकारी होती है, जिससे टेलीकॉम कंपनी का नेटवर्क दोनों को एक ही ग्राहक मान लेता है।

यूजीसी के विरोध में बवालः आगरा में यमुना एक्सप्रेसवे पर हंगामा, भीड़ ने किया पथराव; पुलिस ने चलाई लाठी

» बीपीएस न्यूज

आगरा। आगरा में यूजीसी के विरोध में प्रदर्शन के दौरान जमकर बवाल हुआ। पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर ट्रैक्टर मार्च को रोका तो प्रदर्शनकारियों से झड़प हो गई। भीड़ ने यमुना एक्सप्रेसवे पर भी पहुंचकर हंगामा किया।आगरा में यूजीसी के विरोध में यूजीसी मुक्ति मोर्चा ने रविवार को ट्रैक्टर मार्च का एलान किया था। ट्रैक्टर लेकर जैसे ही प्रदर्शनकारी बढ़े पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इस दौरान भीड़ की पुलिस से तीखी नोकझोंक हो गई। प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने बैरिकेडिंग तोड़ दी। प्रदर्शनकारी यमुना एक्सप्रेसवे पर पहुंच गए। यहां हंगामा करना शुरू कर दिया। इससे यमुना एक्सप्रेसवे पर वाहनों की कतार लग गई। लंबा जाम लग गया। करीब 45 मिनट तक एक्सप्रेसवे ठप रहा। इसके बाद प्रदर्शनकारियों की भीड़ नाई की सराय पर पहुंच गई। यहां भीड़ ने हंगामा करते हुए पथराव कर दिया। इस पर पुलिस ने लाठी चलाते हुए प्रदर्शनकारियों को खदेड़ दिया।

खंदौली थाना क्षेत्र के मुड़ी चौराहे पर यूजीसी मुक्ति मोर्चा ने शनिवार देर रात धरना शुरू किया था। मोर्चे के सदस्यों के पहुंचने के साथ ही मौके पर ट्रैक्टरों का जुटना भी शुरू हो गया। मोर्चा की ओर से पहले 20 सितंबर को ट्रैक्टर मार्च निकालने का एलान किया गया था, लेकिन कार्यकर्ता शनिवार रात से ही धरने पर बैठ गए थे। मोर्चे के पदाधिकारियों का कहना था कि वह मुड़ी चौराहे से ट्रैक्टर मार्च निकालेंगे। मार्च आगरा कलेक्ट्रेट पहुंचेगा, जहां जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा।यूजीसी मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान और संपूर्ण समस्या समाधान संगठन के अध्यक्ष अवनीश कुमार वैस ने ट्रैक्टर मार्च में हजारों ट्रैक्टरों के साथ करीब 50 हजार लोगों के शामिल होने का दावा किया था। धरने और प्रस्तावित ट्रैक्टर मार्च को देखते हुए पुलिस-प्रशासन पहले से ही सतर्क था। पुलिस की ओर से करीब 80 लोगों को नोटिस तामील कराए गए।

सांविधानिक पद पर रहे हामिद अंसारी का बयान उचित नहीं, कहा- मातृशक्ति का सम्मान जरूरी

» बीपीएस न्यूज

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में आयोजित 'प्रेरणा विमर्श-2026' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनातन परंपरा, भारतीय संस्कृति और नारी शक्ति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा सनातन धर्म में बसती है और देश की जनता अपनी ऋषि परंपरा, देवी-देवताओं, तीर्थों और विरासत पर गर्व करती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सनातन परंपरा में विचारों की स्वीकार्यता रही है। कहीं से भी अच्छे विचार आएं तो उनका स्वागत किया जाता है। उन्होंने कहा कि 'तेरा-मेरा' वाली संकुचित सोच रखने वाले लोग इसे नहीं समझ सकते। सनातन सबका है और इसकी परंपरा ने दुनिया के अलग-अलग समुदायों और संप्रदायों को संकट के समय शरण दी है।

हामिद अंसारी के बयान पर सीएम योगी का पलटवार

योगी आदित्यनाथ ने पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के एक पुराने वक्तव्य का जिक्र करते हुए कहा कि सांविधानिक पद पर रहे व्यक्ति को इस तरह की बात नहीं करनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे बयानों से भारत के बारे में गलत छवि बनाने और 'एंटी इंडिया' सोच को बढ़ावा देने का काम होता है। उन्होंने कहा कि अर्धसत्य के जरिए भारत को अपमानित करने का प्रयास किया जा रहा है।

राहुल गांधी पर भी बोला हमला

मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए नारी शक्ति और मातृशक्ति के सम्मान का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में 'पहले आप' का संस्कार रहा है। जिन लोगों को ये मर्यादाएं नहीं सिखाई गईं, उनके लिए 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को समझना संभव नहीं है। योगी ने कहा कि प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय तक भारत में नारी शक्ति को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है।

उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति और परंपरा में मातृशक्ति के सम्मान की विशेष जगह रही है।

विरासत और योगदान को नहीं भुलाया जा सकता

सीएम योगी ने कहा कि नारी गरिमा का प्रतीक है। उत्तर प्रदेश में तीन नई पीएसी महिला बटालियन का गठन किया जा रहा है।

शिक्षा, अंतरिक्ष, चिकित्सा और पुलिस समेत हर क्षेत्र में बेटियों ने देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि हमें अपने पूर्वजों को नहीं भूलना चाहिए। इतिहास को भले ही भूल जाएं, लेकिन अपनी विरासत और योगदान को नहीं भुलाया जा सकता।

स्कूल में सोना, मोबाइल चलाना और बिना सूचना गायब रहना पड़ा भारी; चार शिक्षकों पर कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

टीकमगढ़। शासकीय विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था और शिक्षकों की कार्यप्रणाली में लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने चार शिक्षकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की है। जिला शिक्षा अधिकारी की जांच रिपोर्ट और संबंधित शिक्षकों को दिए गए स्पष्टीकरण के बाद जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर मध्यप्रदेश सिविल सेवा नियम, 1966 के तहत चारों की दो वार्षिक वेतनवृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोकने की शास्ति अधिरोपित की गई है।शासकीय प्राथमिक शाला हरकनपुरा, संकुल केंद्र स्यावनी के शिक्षक जयशंकर गंगोलिया के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत मिली थी।

सत्ता में आए तो 'कार कैसे पलटी' की कराएंगे जांचः अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कानपुर के गैंगस्टर विकास दुबे से जुड़ी कथित मुठभेड़ की तरफ इशारा करते हुए तंज किया कि उनकी पार्टी अगर उत्तर प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के बाद सत्ता में आती है तो वह रिमोट सेंसिंग विभाग (दूर संवेदी विभाग) से कार पलटने वाली घटना की जांच कराएंगे।

कानपुर देहात के बिकरू इलाके में दो-तीन जुलाई 2020 की रात को आठ पुलिसकर्मियों की घात लगाकर छत से गोलियां चलाते हुए हत्या किये जाने की वारदात के मुख्य आरोपी गैंगस्टर विकास दुबे की 10 जुलाई को उज्जैन से कानपुर लाते समय पुलिस की गाड़ी कथित रूप से दुर्घटनाग्रस्त होकर पलट गयी थी और पुलिस का दावा है कि हादसे के बाद भागने की कोशिश में दुबे पुलिस से हुई मुठभेड़ में मारा गया था।` बातचीत में कहा कि रिमोट सेंसिंग के साथ-साथ सभी आधुनिक तकनीकों का इस्तेमाल मुख्य रूप से किसानों के फायदे के लिए और साथ ही स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कृषि के क्षेत्रों में किया जाएगा।अखिलेश यादव ने किसी का नाम लिये बगैर गैंगस्टर विकास दुबे की कथित मुठभेड़ में हुई मौत की ओर इशारा करते हुए कहा, रिमोट सेंसिंग विभाग एक बहुत पुराना विभाग है। हम निश्चित रूप से इस विभाग को उस घटना की जांच का काम सौंपेंगे कि आखिर गाड़ी कैसे पलटी थी। उन्होंने कहा, हम उन्हें अलग से फंड देंगे... चाहे वह 50 करोड़ रुपये हो या 100 करोड़ रुपये... और उन्हें उन गाड़ियों की आवाजाही का पता लगाने का निर्देश देंगे कि वे कहां से चली थी और उस जगह तक कैसे पहुंचीं?

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को गणेशोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादक
(बी.पी.साहू)
मो-8423454502
व्हाटसअप-9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें
www.bpsnews.in

कबूतर उड़ाते समय हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से झुलसे चार बच्चे

» बीपीएस न्यूज

फिरोजाबाद।यूपी के फिरोजाबाद स्थित आसफाबाद 220 बिजलीघर के समीप शांतिनगर में रविवार दोपहर घर की छत पर कबूतर उड़ा रहे चार बच्चे ऊपर से गुजर रही 220 केवी ट्रांसमिशन लाइन की चपेट में आ गए। चारों गंभीर रूप से झुलस गए। हाईटेंशन लाइन में धमाका हुआ। इसकी आवाज सुनकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गली में चूड़ी-बेलन लगाने का काम कर रहे लोग भी घबराकर इधर-उधर भागने लगे। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। परिजन चारों बच्चों को लेकर मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर पहुंचे, जहां उनका उपचार शुरू किया गया।फिरोजाबाद के आसफाबाद 220 बिजलीघर के समीप शांतिनगर में रविवार दोपहर घर की छत पर कबूतर उड़ा रहे चार बच्चे ऊपर से गुजर रही 220 केवी ट्रांसमिशन लाइन की चपेट में आ गए। पीड़ित के घर के साथ आसपास के घरों में भी करंट दौड़ गया। तेज धमाके के साथ मकान का मीटर फट गया और आग लग गई। हादसे में तीन भाई-बहन और उनका मौसेरा भाई गंभीर रूप से झुलस गए। चारों को आनन-फानन में मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। चिकित्सक के अनुसार सभी बच्चे करीब 50-50 फीसदी झुलसे हैं।घटना दोपहर करीब 12-30 बजे की है। शांतिनगर निवासी नारायण सिंह के शंखवार मकान की छत पर टीन शेड के पास संजना (16), नीतू उर्फ जान्वी (13), राजन सिंह (8) और उनका मौसेरा भाई ऋषभ (9) पुत्र माता प्रसाद मौजूद थे।

अपनी बात....

संपादकीय ....

डिजिटल पेमेंट्स के लिए बना रहे किफायती मॉडल

इसमें दो राय नहीं कि पिछले एक दशक में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई देश में लेन-देन के एक लोकप्रिय और विश्वसनीय माध्यम के रूप में स्थापित हुआ है। इससे भी बढ़कर भारत की निरंतर डिजिटल होती अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ भी बना है। हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी अध्यादेश में दो हजार रुपये से अधिक के लेन-देन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट यानी एमडीआर चार्जेज कारोबारियों के ऊपर लगाने की बात कही गई है। इस घोषणा ने सरल-सुलभ लेन-देन करने वाले करोड़ों उपभोक्ताओं के मन में कई सवालों को जन्म दिया है। हालांकि, राहतकारी यह है कि नोटिफिकेशन में दो हजार तक के यूपीआई लेन-देन और रुपे डेबिट कार्ड पेमेंट्स पर कोई शुल्क न लगाने की बात कही गई है। लेकिन इससे देश में अधिक मूल्य वाले यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर चार्जेज लगाने का रास्ता खुल गया है। बैंकों, सेवा प्रदाता संस्थाओं व विभिन्न एसोसिएशनों के प्रतिनिधि जल्द ही दो हजार रुपये से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर शुल्क निर्धारण करेंगे। निस्संदेह किसी भी बेहतर सुविधा के लिए उपभोक्ता की भी आर्थिक जवाबदेही बनती है। उल्लेखनीय है कि साल 2016-17 में महज 0.07 लाख करोड़ रुपये के लेन-देन मूल्य से यूपीआई के जरिये 314 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। वैसे आम उपभोक्ता पर सीधे तौर पर एमडीआर लगने का प्रभाव नहीं पड़ेगा क्योंकि देश में 96 फीसदी लेन-देन दो हजार रुपये की सीमा में ही आता है। लेकिन यदि कारोबारियों पर दो हजार से अधिक के यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर शुल्क लगता है तो येन-केन-प्रकारेण वे इसका बोझ उपभोक्ताओं पर डालने का ही प्रयास करेंगे। वास्तव में आज जब साइबर फ्रॉड के मामलों में लगातार अप्रत्याशित तेजी आ रही है तो हर रोज होने वाले करोड़ों डिजिटल भुगतानों की सुरक्षा करना भी जरूरी हो जाता है। विशेषकर, छोटे विक्रेताओं और आम उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए।निस्संदेह, सरकार का यह तर्क वाजिब है कि इतने बड़े इकोसिस्टम को हमेशा सरकारी अनुदान के भरोसे नहीं चलाया जा सकता है। यह भी हकीकत है कि सरकार को यूपीआई लेन-देन पर एमडीआर लागू इसलिये करना पड़ा क्योंकि यूपीआई नेटवर्क चलाने के लिए हर साल बीस हजार करोड़ का बोझ उसे वहन करना पड़ता है। पहले सरकार ने डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए ग्राहक व पेमेंट लेने वाले व्यापारियों पर कोई फीस नहीं लगायी थी। लेकिन यूपीआई नेटवर्क के विस्तार के साथ इसे चलाने का खर्च भी लगातार बढ़ता चला गया। यूपीआई का कितनी तेजी से विस्तार हुआ, इस बात का पता इस आंकड़े से चलता है कि वर्ष 2026 के वित्तीय वर्ष में यूपीआई के जरिये हुए 24,161. 69 करोड़ लेन-देन 314 लाख करोड़ रुपये कीमत के हुए। इस बीच यूपीआई से जुड़े बैंकों की संख्या 44 से बढ़कर 703 हो गई है। देश में करीब 55 करोड़ लोग यूपीआई का उपयोग कर रहे हैं। निर्विवाद रूप से आज के दौर में साइबर सुरक्षा, धोखाधड़ी रोकने, इंफ्रास्ट्रक्चर और नवाचार के लिए लगातार नये निवेश करने की जरूरत होती है। ऐसे में दो हजार से अधिक मूल्य के व्यापारिक लेन-देन पर सीमित मात्रा में एमडीआर मॉडल बैंकों और भुगतान प्रदाताओं के लिए एक स्थायी राजस्व का तंत्र विकसित कर सकता है। वैसे हकीकत यह भी है कि भले ही सरकार एमडीआर सिर्फ व्यापारियों पर ही लागू कर रही है, लेकिन लागत बढ़ने पर व्यवसायी एमडीआर का कुछ हिस्से का बोझ मूल्य बढ़ोतरी के माध्यम से उपभोक्ताओं पर डाल देंगे। ऐसे में यूपीआई और सेवा नियामक कमेटी को स्पष्टता और पारदर्शिता के आधार पर फैसला लेना चाहिए। जिससे छोटे व्यवसायियों पर अधिक दबाव न पड़े। लोगों का आपसी लेन-देन मुफ्त ही बना रहे और साथ ही दो हजार रुपये की सीमा में बदलाव न किया जाए। आज देश में यूपीआई व्यवस्था त्वरित, सस्ती और सार्वभौमिक भुगतान सुविधा के चलते अर्थव्यवस्था की एक बड़ी ताकत बन गयी है। ऐसे में सरकार को ऐसा मॉडल तैयार करना चाहिए।

कॉर्पोरेट जगत में नारी शक्ति का बढ़ता कद

निरंजन भंडारी

कॉर्पोरेट जगत में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव का संकेत है। बोर्डरूम में उनकी उपस्थिति लगातार बढ़ रही है, लेकिन शीर्ष कार्यकारी पदों तक पहुंच के रास्ते में सामाजिक और संस्थागत चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं।परिवर्तित समय के साथ महिलाओं की भूमिका में भी ख़ासा बदलाव आया है। कभी घर की चारदीवारी तक सीमित रहने वाली नारी आज प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही है। इसका ज्वलंत प्रमाण कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय की नवीनतम रिपोर्ट है, जिसके अनुसार हाल के वर्षों में कंपनियों के शीर्ष नेतृत्व और निदेशक मंडलों (बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स) में महिलाओं की मौजूदगी तेज़ी से बढ़ी है। निजी हों अथवा सरकारी कंपनियां, महिलाओं की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। एकल स्वामित्व वाली कंपनियों में भी यह आंकड़ा 28 प्रतिशत है। तुलनात्मक रूप से महिला प्रतिनिधित्व के मामले में निजी कंपनियां आगे हैं। सरकारी कंपनियों में यह आंकड़ा 21 प्रतिशत, जबकि निजी कंपनियों में 30 प्रतिशत है।इस बदलाव के पीछे कानूनी अनिवार्यताओं को प्रमुख कारण माना गया है। भारत में कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत प्रत्येक सूचीबद्ध कंपनी तथा एक निश्चित टर्नओवर वाली सार्वजनिक कंपनियों के बोर्ड में कम-से-कम एक महिला निदेशक का होना अनिवार्य किया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने भी इस प्रावधान को कड़ाई से लागू किया है। इसके साथ ही कंपनियों का नज़रिया बदलना भी एक महत्वपूर्ण कारण रहा है। अब यह व्यापक रूप से स्वीकार किया जाने लगा है कि बोर्डरूम में विविधता से न केवल सामाजिक सुधार होता है, बल्कि व्यवसाय को भी लाभ पहुंचता है।

निवेशकों का दबाव भी इस परिवर्तन का एक उल्लेखनीय पहलू रहा है। आज वैश्विक निवेशक उन कंपनियों में निवेश करना पसंद करते हैं जो ईएसजी (एनवायरनमेंटल, सोशल एंड गवर्नेंस) मानकों का पालन करती हैं। इन मानकों के मूल्यांकन में महिलाओं की भागीदारी एक महत्वपूर्ण पैमाना मानी जाती है। इसके अतिरिक्त, महिलाओं में उच्च शिक्षा और पेशेवर दक्षता बढ़ने से भी नेतृत्व के पदों के लिए उनका दायरा विस्तृत हुआ है।

बोर्डरूम में महिलाओं की उपस्थिति के लाभ भी कम नहीं हैं। महिलाएं अलग दृष्टिकोण, बेहतर जोखिम प्रबंधन क्षमता तथा नवीन समाधान लेकर आती हैं, जिससे निर्णय अधिक संतुलित और प्रभावी बनते हैं। विभिन्न शोधों के अनुसार महिला निदेशक बेहतर निगरानी, अधिक नैतिक संवेदनशीलता तथा बोर्ड की विचार-विमर्श प्रक्रियाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। महिला नेतृत्व कार्यस्थल पर अधिक समावेशी वातावरण का निर्माण करता है, जिससे महिला कर्मचारियों का मनोबल बढ़ता है और वे लंबे समय तक संस्थान से जुड़ी रहती हैं। इससे प्रतिभाशाली मानव संसाधन का दायरा भी बढ़ता है, जो कुशल प्रबंधन और बेहतर निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होता है। मैकिन्से और क्रेडिट सुइस सहित अनेक अध्ययनों में यह सामने आया है कि जिन कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं की संख्या अधिक होती है, उनका वित्तीय प्रदर्शन अन्य कंपनियों की तुलना में बेहतर रहता है।

कॉर्पोरेट बोर्डरूम में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लैंगिक समानता, बेहतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस और आर्थिक विकास की दिशा में निस्संदेह एक सकारात्मक परिवर्तन है। किंतु भारत में शीर्ष पदों तक पहुंचने वाली महिलाओं की संख्या अभी भी काफी कम है। बोर्ड में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने के बावजूद, उच्चतम कार्यकारी पदों पर यह संख्या नाटकीय रूप से घट जाती है। लोकसभा में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार, कारोबार के आधार पर शीर्ष 500 सूचीबद्ध कंपनियों में केवल नौ महिलाएं ही मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद पर कार्यरत हैं। मंत्रालय के अनुसार, कंपनी अधिनियम, 2013 में ऐसी कोई परिभाषा न होने के कारण वह महिला अध्यक्षों अथवा मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारियों के संबंध में अलग से आंकड़े नहीं रखता। ये आंकड़े बोर्ड में प्रतिनिधित्व और सर्वोच्च कार्यकारी पदों पर उपस्थिति के बीच मौजूद बड़े अंतर को उजागर करते हैं।

वास्तव में, कुछ कंपनियां केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को बोर्ड में शामिल तो कर लेती हैं, लेकिन उन्हें वास्तविक निर्णय-प्रक्रिया से दूर ही रखा जाता है। कई बार पारिवारिक व्यवसायों में परिवार की किसी महिला सदस्य को बिना पर्याप्त कॉर्पोरेट अनुभव के बोर्ड में शामिल कर केवल खानापूर्ति कर दी जाती है।

हमारा सामाजिक ढांचा

एक अन्य बड़ा कारण हमारा सामाजिक ढांचा भी है, जहां घरेलू दायित्वों का बोझ आज भी मुख्य रूप से महिलाओं पर ही रहता है। सांख्यिकी मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारतीय महिलाएं पुरुषों की तुलना में घरेलू कार्यों और देखभाल संबंधी गतिविधियों पर कहीं अधिक समय व्यतीत करती हैं।

इसका सीधा प्रभाव उनके करियर की निरंतरता तथा वरिष्ठ पदों तक पहुंचने की संभावनाओं पर पड़ता है। मध्यम प्रबंधन स्तर पर करियर ब्रेक या पारिवारिक कारणों से नौकरी छोड़ने की स्थिति भी शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचने वाली महिलाओं की संख्या को सीमित कर देती है।

कुल मिलाकर पारिवारिक जिम्मेदारियां, कार्यस्थल पर असुरक्षा, मातृत्व के बाद पुनः कार्यक्षेत्र में वापसी की चुनौतियां तथा पुरुष-प्रधान पेशेवर नेटवर्क जैसी बाधाएं आज भी महिलाओं के करियर विकास में बड़ी रुकावट बनी हुई हैं।

बदलाव की यह आहट निस्संदेह सुखद है, किंतु वास्तविक लक्ष्य शीर्ष स्तर पर महिलाओं की हिस्सेदारी को केवल एक अनिवार्य सदस्य तक सीमित रखने के बजाय 30 से 50 प्रतिशत तक पहुंचाना होना चाहिए। यह तभी संभव है जब लैंगिक भेदभाव और सामाजिक संकीर्णताओं से ऊपर उठकर महिलाओं को समुचित अवसर और सहयोग प्रदान किया जाए। कंपनियों को महिलाओं के लिए प्रभावी मेंटरशिप और नेतृत्व विकास कार्यक्रम सुनिश्चित करने चाहिए, ताकि वे शीर्ष पदों तक निर्बाध रूप से पहुंच सकें। साथ ही, मंत्रालय को भी महिला निदेशकों की प्रगति में बाधा बनने वाले कारकों का गहन आकलन कर आवश्यक नीतिगत पहलों पर विचार करना चाहिए।

मोदी जी के लोकप्रियता का दीया बुझते-बुझते बचा

राजनीतिक विशलेषक/ जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

तेल खाना कम करें पर तेल लगाना और तेल जलाना जारी रखें ! मोदीजी का जन्मदिन था पिछले दिनों तो उस दिन कई बार घर के बाहर झाँकने गया पर एक भी दिया गांव में न जलता देख घोर अनर्थ की आशंका से सहमकर रह गया। मेरे गाँव मे अस्सी घर पर मोदीजी वाले जागरूकता की भारी कमी तो मान ले जिलाध्यक्ष से लेकर बूथ अध्यक्ष तक सवर्ण आक्रोश से कमरे में दुबक गए । हे प्रभु कहाँ जा रहा है हमारा समाज। दरअसल, सोशल मीडिया पर समर्थन का ट्रेंड महीनों से बंद है। तो दीप के सहारे ट्रेंड कराने की सोची गई होगी नितिन नबीन द्वारा पर जिस पार्टी को सीचा सवर्णों ने उस पार्टी ने अमीर पिछड़ो और अमीर दलितों का गुणगान शुरू कर दिया तो मामला खिसकना ही था, अच्छा है, हजारों सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर के खाते में हरियाली आई। लेकिन पॉपुलर ओपिनियन में इस आशीर्वाद का दिया कार्यक्रम की भद्द पीट गईज्आखिर जाति ने असली रंग दिखा ही दिया, भाजपा के दलित और पिछड़े सांसद विधायक, सवर्ण और आदिवासियों के वोटों से जीतेंगे और बात करेंगे दलित आरक्षण की, जनता सब देख रही है। पटकनी तो देगी।

भाजपा के दलित पिछड़ा आदिवासी सांसदों को शर्म आनी चाहिए उन्हें चुल्लू भर पानी में डूब जाना चाहिए या फिर राजनीति से सन्यास ले ले नहीं तो इतना इनके घरों पर आकर सवर्ण समाज सवाल पूछेगी तो कही के नहीं रहेंगे। मैं फिर कह रहा साथियों, भाजपा और कांग्रेस सिर्फ धोखा है असल में जनहित की लड़ाई केवल योगी जी अकेले लड़ रहें है। योगी जी को हर बार बार मौका दो। केंद्र वाली भाजपा लुटेरी है, यूपीआई हो या यूजीसी, एससीएसटी एक्ट हो या जीएसटी आखिर पैसा तो सवर्ण के टैक्स और जनता से ही वसूले जाएंगेज बेचारी जनता ! दिस वे ऑर दैट वे, दे हैव टू पे ऑन यूपीआई देश जो धधक रहा है, युवाओं का गुस्सा जो चरम पर है, उसे शांत किया जा सकता था, बहुत छोटा काम था संबंधित मंत्री चिराग पासवान और रामदास अठावले का इस्तीफा ले लेते तो मोदी जी और सरकार के प्रति सवर्ण युवाओं का भरोसा और मजबूत होता, उन्हें लगता की सरकार उनकी सुन रही है लेकिन अब तो चिराग और अठावले के साथ साथ मोदी जी और अमित शाह भी विलन की कटेगरी मे आ गए है।

आखिर इतना छोटा सा काम मोदी जी क्यों नहीँ कर पा रहे है ? उसके कई कारण है, धर्मेंद्र प्रधान बीजेपी और आरएसएस के लिए कोई साधारण नहीँ बहुत असाधारण नेता है जब उनका बलिदान हो सकता है तो चिराग और अठावले किस खेत की मूली है ! मोदी जी जो आरएसएस बैकग्राउंड से आते है, आरएसएस की दशकों पुराने सपने ÷ भारत को शैक्षिक और सांस्कृतिक रूप से गुजराती सुप्रीमसी के अधीन लाने ÷ के सपने को पूरा कर रहे है, धर्मेंद्र प्रधान वही व्यक्ति थे जो स्कूली किताबों मे राजपूत काल को समेटकर मराठा काल को पूरी तरह से थोपे है, धर्मेंद्र प्रधान ही वो व्यक्ति जिनके कार्यकाल मे राजपूताना (राजस्थान) को मराठा सम्राज्य के अन्तर्गत दिखाया गया था, आरएसएस का सबसे खास सपना धर्मेंद्र प्रधान ही पूरा कर रहे थे। सबसे बड़ी बात, मोदी सरकार मे एक से बढ़कर एक भ्रष्ट नाकाबिल लोग मंत्री बने हुए है, एक और के इस्तीफा देने का मतलब है ताश की पत्तों की तरह बिखर जाने का डर, क्यूंकि जनता फिर हर बार भ्रस्ट नेताओं के इस्तिफे के लिए धरने पर बैठ जाएगी और फिर इस सरकार की जो छवि बनाई गई है वो धडाम हो जाएगी।खैर जो भी हो, इस बार बहुत बड़ा बलंडर हो गया है मोदी शाह से, इसका असर कुछ साल मे दिखेगा। ब्राह्मणों की मौत, ठाकुरों की पिटाई! ब्राह्मण और राजपूत के लिए अब ये देश और उत्तर प्रदेश सुरक्षित नहीं! यूपी में ब्राह्मणों की हत्याओं पर परशुराम सेना संघ भारत का सीएम योगी से सवाल, गोरखपुर में कार्तिकेय मिश्रा के क़त्ल पर बिफरी।कड़वा सत्य। भाजपा एक राष्ट्रवादी राजनैतिक पार्टी है ! मोदी जी एक राष्ट्रवादी राजनेता है ! देश के लिए कुछ अच्छा करना है तो सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ बने रहना आवश्यक है, तभी 370 जैसे ऐतिहासिक निर्णय हो सकते हैं! इसके लिए इन्हें देश के नफा नुकसान के साथ-साथ अपनी राजनैतिक पार्टी का नफा नुकसान भी देखना है ! अब देश में वोटरों के कई वर्ग है, लेकिन सबसे कृतघ्न वोटर वर्ग सवर्ण है! ये वो कालिदास हैं जो उसी डाल को काटना चाहते हैं जिसकी छांव में दिन रात सोशल मीडिया पर इन्हें भौंकने की आजादी मिली है! यह वर्ग हर दिन किसी न किसी मुद्दे को लेकर सरकार से क्रोधित रहता है ! सवर्णों की कृतघ्नता के कारण भाजपा ने इन्हें फ्लोटिंग वोट बैंक में डाल दिया है! क्योंकि नालबंद की सवर्ण कील युद्ध के मैदान में कब, किस बात पर धोखा दे देगी इसका अंदाजा है, क्योंकि ये वो वर्ग है जो आलू प्याज के दाम बढ़ने पर अटल जी को हटा देता है, यही वो वर्ग है जो भव्य राम मंदिर बनवाने के बाद अयोध्या हरा देता है, यही वो वर्ग है जो देश में इतना सब विकास करने के बाद 303 से 240 पर ले आता है! और इसीलिए सत्ता में बने रहने के लिए भाजपा को अपना वोट प्रतिशत बढ़ाना होगा ! अब भाजपा अगर दलित शोषित पीड़ित वंचित वोट बैंक को साध रही है तो इन जातिवादी सवर्णों को बहुत चुभ रहा है!आज अगर भाजपा की राजनीति में जातिवाद दिखाई दे रहा है तो इसका कारण भी सवर्णों की अहंकारी प्रवत्ती और मूर्खता ही है ! आज इन सवर्णों को दलित नेता रंगा सियार अपना शुभचिंतक लग रहा है ! एक दलित नेता कहता है हम 30त्न है अपनी अलग पार्टी बनाएंगे, अपनी सरकार बनाएंगे ? अबे 30त्न में 10त्न तो वोट देने नहीं जाते, 10त्न कॉंग्रेस, समाजवादी विपक्ष के साथ है अब बचे 10त्न जो भाजपा के साथ थे, और मान लेते हैं कि तुम्हारी रंगी सियार छवि से आकर्षित होकर 9त्न बसपा से नाराज हो गए क्योंकि उदित राज जैसे 1त्न तो किसी भी परिस्थिति में भाजपा के साथ नही रहेंगे. अब 9त्न में तुम सरकार तो छोड़ो अपना एक विधायक नहीं बना सकते, सिवाय भावुक सवर्णों को उल्लू बनाकर, दलितों के चंदा इकट्ठा करके उसको डकारने के। लेकिन इस वर्ग में भी दो प्रकार के सवर्ण हैं- एक वो जो सत्ता (भाजपा) के साथ हैं या होने का दिखावा करते हैं और दूसरे वो जो विपक्षी दलो की गुलामी करते हैं ! जो विपक्षी सवर्ण हैं उन्हें न तो आरक्षण से समस्या है, न यूजीसी से और न ही राजीव गांधी ऐक्ट से बल्कि इन्होंने तो 60 साल तक कॉंग्रेस के साथ मिलकर देश की लगभग सभी समस्याओं की डिलेवरी करवायी है! चाहे वो आरक्षण हो, राजीव गांधी ऐक्ट हो, इतिहास से छेड़छाड़ हो या जेएन्यु में लगने वाले आपत्तिजनक नारे हो, इन सबके केंद्र में आप एक सवर्ण ही पाएंगे! मैं सवर्ण जरूर हूं लेकिन उल्लू नहीं हूं इसलिए वोट तो हर हाल में योगी को ही दूंगा , क्योंकि भाजपा मुझे व्यक्तिगत कुछ दे या न दे लेकिन मेरे प्रदेश को विकास, आर्थिक प्रगति, नई ऊंचाई अवश्य दे रही है ! एक राष्ट्रवादी होने के नाते इतना ही मेरे लिए पर्याप्त है!

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के सिविल लाइंस क्षेत्र में क्षत्रिय युवा करणी सेना के जिलाध्यक्ष सचिन राघव की भीड़ द्वारा बेरहमी से पिटाई करने का मामला सामने आया

उत्तर प्रदेश के कासगंज जिले के अमांपुर क्षेत्र के आनंदपुर गांव में एक ही मामले में 37 नामजद और 1 अज्ञात समेत 38 लोगों पर एससी/एसटी एक्ट (स्ष्ट/स्ञ्ज ्ष्ह) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है जो सवर्णों पर अन्याय का एकमात्र उदाहरण नहीं और भी है। मोदी सरकार के खिलाफ सवर्णों का शंखनाद, एस्ट्रोसिटी एक्ट पर होगा गृह युद्ध अगर यह एक्ट वापिस नहीं होता है तो, केवल व केवल गृहयुद्ध ही सवर्णों के पास विकल्प है। सवर्ण समाज ,मोदी सरकार के खिलाफ एस्ट्रोसिटी एक्ट का इतना विरोध करेगा की भाजपा को एक्ट खत्म करना ही पड़ेगा, नही तो सवर्ण समाज बीजेपी सरकार को खत्म कर देगा, ये तय मानो। यही सही समय है सभी सवर्ण एकजुट होकर अपने अधिकार और न्याय की बात मजबूती से रखें। आखिरी बात दवेन्द्र फड़नवीस, योगी आदित्यनाथ, हेमंत विश्वशर्मा, इन तीनो को चिराग पासवान और अठावल्ले का शुक्रिया करना चाहिए क्यूंकि सिंगल हैंडेड एक व्यक्ति ने अपने साथ साथ मोदी जी और अमित शाह की भविष्य की राजनीति का बैंड बजा दिया।

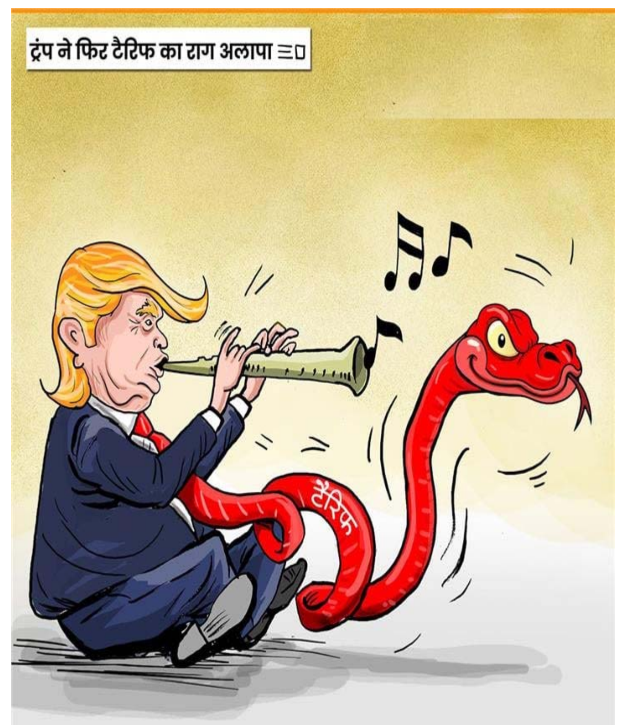

आज भी उपेक्षित राष्ट्रीयता के अग्रदूत की विरासत

उनके सृजन का एक बड़ा हिस्सा इसी हवेली में आकार लेता रहा। यहां तक कि उनके सर्वाधिक चर्चित 'शिवशंभू के चिट्ठे' के कुछ अंश भी यहीं लिखे गए।हिंदी गद्य के जनक के रूप में प्रतिष्ठित भारतेंदु युग के सेनापति, यशस्वी साहित्यकार एवं मूर्धन्य पत्रकार स्वर्गीय बाबू बालमुकुंद गुप्त की गुड़ियानी स्थित हवेली आज उपेक्षा और बदहाली का शिकार है। यह हवेली है बाबूजी के जीवन के स्वर्णिम काल, उनके बहुआयामी सृजन और हिंदी पत्रकारिता के उत्कर्ष की साक्षी रही है। इसके बावजूद आज भी यह ऐतिहासिक धरोहर राष्ट्रीय स्मारक नहीं बन पायी है।रेवाड़ी जिले के कोसली उपमंडल तथा नाहड़ खंड के गांव गुड़ियानी के तिहाग पान्ने में स्थित यह हवेली जाटूसाना रेलवे स्टेशन से लगभग तीन किलोमीटर की दूरी पर है। बाबू बालमुकुंद गुप्त की यह इकलौती महत्वपूर्ण विरासत अब भी संरक्षण की बाट जोह रही है।वैसे बाबूजी का जन्म इस हवेली से सटे बढ़ेरा पान्ने की एक अन्य हवेली में हुआ था, जो अब पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो चुकी है। गुड़ियानी की इस हवेली का निर्माण स्वयं बाबू बालमुकुंद गुप्त ने करवाया था। इसकी पहली मंजिल उनके द्वारा बनवाई गई, जबकि दूसरी मंजिल का निर्माण उनके पुत्र नवलकिशोर गुप्त ने करवाया। दुमंजिली हवेली का कलात्मक मुख्य द्वार, विशाल चौक, खुला जीना, ऊंचे-ऊंचे कक्ष और प्राचीन स्थापत्य कला के नमूने इसके गौरवशाली अतीत की कहानी कहते हैं। हवेली की वास्तुकला इतनी वैज्ञानिक-कलात्मक थी कि जेठ की दोपहरी में भी इसके कक्षों में प्राकृतिक ठंडक होती है।इस हवेली का स्वर्णिम काल वह दौर था, जब देशभर में बाबू बालमुकुंद गुप्त की लेखनी की तूती बोलती थी। उर्दू पत्रकारिता से शुरुआत करने के बाद हिंदी पत्रकारिता में उन्होंने अपनी लेखकीय प्रतिभा, निर्भीकता और वैचारिक दृढ़ता का लोहा मनवाया। हिंदी के उन्नायक और परिष्कारक के रूप में उन्हें सम्मान प्राप्त हुआ। निर्भीक पत्रकार, कुशल संपादक, सिद्धहस्त लेखक, तटस्थ समालोचक, सतर्क समीक्षक, भावपूर्ण अनुवादक, ओजस्वी कवि, चुटीले व्यंग्यकार और चिंतनशील निबंधकार के रूप में उनके बहुआयामी व्यक्तित्व ने साहित्य एवं पत्रकारिता जगत में विशिष्ट पहचान बनाई।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

राष्ट्रीय लोक अदालत में 2.56 लाख वादों का निस्तारण

» बैंकों के विशेष प्रयास से बड़ी संख्या में बैंकिंग वाद निपटे, प्री-लिटिगेशन के 1,013 मामलों में 14.94 करोड़ की वसूली

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय लोक अदालत में शनिवार को कानपुर नगर में 2,56,439 वादों का निस्तारण किया गया। जनपद न्यायालय के न्यायिक अधिकारियों ने 65,764 वादों का निस्तारण करते हुए 38 करोड़ 57 हजार 446 रुपये की धनराशि दिलाई अथवा वसूल की। प्रशासनिक अधिकारियों ने 1,62,367 वादों का निस्तारण किया।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कानपुर नगर के तत्वावधान में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अनमोल पाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर इसका शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य अधिक से अधिक वादों का निस्तारण कर आमजन को त्वरित न्याय का लाभ पहुंचाना है। इसके लिए सभी को मिलकर इसे सफल बनाने का प्रयास करना चाहिए।

राष्ट्रीय लोक अदालत में आपराधिक शमनीय वाद, वैवाहिक वाद, सिविल वाद, मोटर दुर्घटना दावा, राजस्व एवं आर्बिट्रेशन वादों का निस्तारण किया गया।

इसके साथ ही बैंक और बीमा कंपनियों से संबंधित मामलों को प्री-लिटिगेशन स्तर पर आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निपटाया गया।

बैंकिंग वादों के निस्तारण के लिए बैंकों की ओर से विशेष प्रयास किए गए। बैंक प्रबंधन ने अपने ग्राहकों से दोबारा संपर्क कर उन्हें लोक अदालत के माध्यम से आपसी समझौते के आधार पर मामलों के निस्तारण के लिए प्रेरित किया। इसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में बैंकिंग मामलों का निस्तारण हुआ। प्री-लिटिगेशन स्तर पर बैंक एवं टेलीकॉम कंपनियों से जुड़े 1,013 वादों का निस्तारण कर 14.94 करोड़ रुपये की वसूली की गई। जनपद न्यायाधीश अनमोल पाल ने बैंक प्रबंधन के इन प्रयासों की सराहना की।

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (साउथ) ने 95 तथा मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण (नार्थ) ने 106 वादों का निस्तारण किया। प्रधान न्यायाधीश, पारिवारिक न्यायालय ने चार वादों का निस्तारण किया, जबकि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, कानपुर नगर के स्तर पर 21,078 वाद निस्तारित किए गए।

राष्ट्रीय लोक अदालत की शुरुआत में कानपुर नगर बार एसोसिएशन और लायर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं महामंत्री की ओर से बहिष्कार किया गया। इसके बावजूद विभिन्न स्तरों पर वादों के निस्तारण की प्रक्रिया जारी रही।

कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों के साथ प्रशासन एवं पुलिस के नोडल अधिकारी, बैंकों के एलडीएम और जेल अधीक्षक उपस्थित रहे। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अभिनव तिवारी ने राष्ट्रीय लोक अदालत में हुए निस्तारण का विवरण प्रस्तुत किया। संचालन लोक अदालत की नोडल अधिकारी रश्मि सिंह ने किया।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण हेतु कार्यक्रम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस के अवसर पर छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा कुलाधिपति एवं राज्यपाल, उत्तर प्रदेश, आनंदीबेन पटेल जी की सत्प्रेरणा एवं कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के प्रयासों से जिला स्वास्थ्य समिति, कानपुर के साथ मिलकर सर्वाइकल कैंसर से बचाव हेतु किशोरियों में निःशुल्क टीकाकरण कार्यक्रम 17 सितम्बर 2026 को विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में आयोजित किया जा है।इस अभियान के अंतर्गत 14 वर्ष आयु की बालिकाओं (जिनका 14वाँ जन्मदिन पूर्ण हो चुका है तथा 15वाँ जन्मदिन अभी पूर्ण नहीं हुआ है) में निशुल्क टीकाकरण किया जायेगा। सर्वाइकल कैंसर से बचने हेतु किशोरियों में टीकाकरण कराने के इच्छुक माता पिता दिए गए गूगल फॉर्म लिंक पर फार्म भरकर अपनी बेटी का पंजीकरण करा सकते हैं – https://forms.gle/SJK|FMFD}aizmbzG} अधिक जानकारी के लिए डा. प्रवीन कटियार से मोबाइल नंबर 9415132492 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कानपुर। कानपुर के थाना पनकी क्षेत्र में एक युवक ने अपने कमरे में रूपटटे से पंखे के सहारे फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी तब हुई, जब मृतक का आठ वर्षीय पुत्र कमरे में पहुंचा। अपने पिता को फांसी पर झूलता देख वह चीखता हुआ कमरे से बाहर निकला, जिसके बाद आस-पास के लोग भी आ गये और पुलिस को इस घटना की सूचना दी गयी।

जानकारी के अनुसार पनकी थाना क्षेत्र के अंतर्गत निवास करने वाले भरत राम पाल जो पुलिस विभाग से रिटायर्ड थे, उन्होने बताया कि उन्होने अपनी पुत्री नेहा की शादी 2014 में पनकी निवासी नवनीत पाल से की थी। बताया कि नवनीत पीएसआइटी में शिक्षक थे लेकिन कोविड के समय उनकी नौकरी छूट गयी, तब से वह घर पर रहकर बच्चों की देखभाल करते थे। भरत राम पाल मृतक नवनीत के ससुर है उन्होने बताया कि उनकी पुत्री भी शिक्षिका है। बताया कि बच्चो से आराम करने को कह कर वह अपने कमरे में चले गये और फांसी लगा ली।

अधिवक्ता कल्याण की प्रथम योजना 1974 लागू कराने वाले आर के शर्मा को वकीलों ने किया नमन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर बार एसोसिएशन हाल स्मृति शेष पं राम कृष्ण शर्मा एडवोकेट की श्रद्धांजलि सभा में अधिवक्ताओं ने अपने अपने श्रद्धासुमन अर्पित कर किया नमन। श्रद्धांजलि सभा में बोलते हुए बार एसोसिएशन अध्यक्ष योगेन्द्र अवस्थी ने बताया कि बाबू जी ने सन 1974 में उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा से मिल प्रदेश की प्रथम अधिवक्ता कल्याणकारी योजना अधिवक्ता सामूहिक बीमा योजना रु 5 हजार से शुरू कराई थी जिसकी राशि बढ़ते बढ़ते आज रु 5 लाख हो गई है और दिवंगत अधिवक्ताओं के परिजनों को वितरित भी हो रही है। हम उन्हें शत शत नमन करते है।महामंत्री विनय मिश्रा ने बाबूजी के सिद्धांतों पर चल अधिवक्ता कल्याण के लिए संघर्ष की बात कह नमन किया। अविनाश बाजपेई पूर्व अध्यक्ष लॉयर्स एसोसिएशन ने कहा कि श्री शर्मा के अधिवक्ता कल्याणकारी कार्यो को आगे बढ़ाने को उनके पुत्र लॉयर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष पं रवीन्द्र शर्मा निरंतर लगे हुए है दो दिन पूर्व मुख्यमंत्री ने वकीलों को रुपया 5 लाख प्रति वर्ष कैश लेश इलाज की सुविधा दी है वो रवीन्द्र शर्मा की कानपुर के अधिवक्ताओं के साथ वर्षो के संघर्ष और मुख्यमंत्री से की गई सकारात्मक वार्ता का परिणाम है। हम सब श्री शर्मा के सिद्धांतों पर चलें यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।रवीन्द्र शर्मा ने कहा कि पिता के दिखाएं रास्ते पर चल अधिवक्ताओं को सपरिवार उनकी मजबूती के लिए अधिकाधिक कल्याण कारी योजनाओं को लागू कराने में लगे रहेंगे। यही पिता जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।प्रमुख रूप से नरेश त्रिपाठी, भानु द्विवेदी, राम आश्रय त्रिपाठी, भगवत दास, आनंद गौतम कपिल दीप सचान अश्वनी आनंद रमा कांत योगेश कुमार गौरी शंकर मुमताज मधु यादव राजेश त्रिपाठी राजेश शुक्ला विजय कुमार फारुख अहमद आदि रहे।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों को संचारी एवं वाहक जनित रोगों से बचाव के प्रति किया गया जागरूक

बेंदा में मलेरिया केस मिलने पर निरोधात्मक कार्रवाई, 629 घरों का सर्वेक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर के मौखिक निर्देशों के अनुपालन में नोडल अधिकारी (वीबीडी) डॉ. राजेश्वर सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, चिकित्सा अधीक्षक कल्याणपुर डॉ. राजेश सिंह, मलेरिया निरीक्षक मंजीत कुमार यादव एवं गौतम पुरवार, लैब टेक्नीशियन गणेश चन्द्र शंखवार तथा जनपदीय टीम द्वारा विकासखंड कल्याणपुर के बाढ़ प्रभावित ग्राम बनिया पुरवा एवं चयन पुरवा का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बुखार सर्वेक्षण एवं जांच, सोर्स रिडक्शन, लार्वीसाइडल स्प्रे, इंडोर स्पेस स्प्रे तथा अन्य निरोधात्मक गतिविधियों का जायजा लिया गया और ग्रामीणों को संचारी एवं वाहक जनित रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

जिला मलेरिया टीम द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में लार्वा नियंत्रण, बुखार सर्वेक्षण, आवश्यक जांच एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुर के अधीक्षक को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिदिन स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने, सोर्स रिडक्शन गतिविधियों का भौतिक निरीक्षण करने तथा आश्रय स्थलों में रह रहे लोगों को स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने के निर्देश दिए गए। नगर निगम से समन्वय कर प्रभावित क्षेत्रों में विशेष रूप से शाम के समय फॉगिंग कराने के निर्देश भी दिए गए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ओआरएस पैकेट एवं क्लोरीन टैबलेट का वितरण किया गया।

घाटमपुर के बेंदा क्षेत्र में मलेरिया का एक केस सामने आने पर आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई पूरी कराई गई। ग्रामीण क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, इंडोर स्पेस स्प्रे, नालियों में लार्वीसाइडल स्प्रे तथा फॉगिंग कराई गई। जनमानस से घरों एवं आसपास पानी जमा न होने देने, जलभराव वाले स्थानों पर मच्छरों के प्रजनन को रोकने तथा खुले शरीर को मच्छरों से बचाने के लिए रिपेलेंट क्रीम का प्रयोग करने और शरीर को पूरी तरह ढकने वाले कपड़े पहनने की अपील की गई।

जनपदीय टीम द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में 585 घरों का सर्वेक्षण किया गया, जिसमें 9 घर लार्वा धनात्मक पाए गए तथा 14 घरों में लार्वा नष्ट कराया गया। कुल 4373 पात्रों की जांच की गई। वहीं बनिया पुरवा में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 79, चयन पुरवा में 13 तथा बेंदा में 31 मरीजों का परीक्षण किया गया। इनमें क्रमशः 9, 13 और 31 मरीजों की मलेरिया जांच की गई, जिनमें कोई भी मलेरिया पॉजिटिव नहीं पाया गया। डेंगू जांच के लिए कोई सैंपल एसएसएच लैब नहीं भेजा गया।संचारी रोगों से संबंधित सूचना देने अथवा जानकारी प्राप्त करने के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित कंट्रोल रूम की हेल्पलाइन 0512-2333810 एवं 9335301096 तथा नगर निगम स्थित कंट्रोल रूम की हेल्पलाइन 0512-2526004 एवं 0512-2526005 पर संपर्क किया जा सकता है। सूचना प्राप्त होने पर संबंधित क्षेत्र में टीम द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मेगा ऋण शिविर लगाकर पात्र लाभार्थियों को दें योजनाओं का लाभ: मुख्य विकास अधिकारी

लंबित ऋण आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर करें शीघ्र निस्तारण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय समीक्षा समिति एवं जिला सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में वार्षिक ऋण योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद योजना, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई।बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक की प्रतिनिधि नम्रता किरण (एलडीओ), नाबार्ड के डीडीएम राहुल यादव, एलडीएम कानपुर नगर आदित्य चंद्र, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी तथा सभी बैंकों के जिला समन्वयक उपस्थित रहे।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी बैंकर्स को जनपद के ऋण-जमा अनुपात (सीडी रेशियो) में सुधार एवं वृद्धि के लिए प्रभावी रणनीति अपनाने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान पाया गया कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं यूको बैंक का ऋण-जमा अनुपात भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित न्यूनतम 40 प्रतिशत से कम है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित बैंकों को विशेष प्रयास करते हुए ऋण-जमा अनुपात में अपेक्षित वृद्धि सुनिश्चित करने तथा इसे 45 प्रतिशत तक पहुंचाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि उद्यमियों एवं लाभार्थियों के ऋण संबंधी आवेदनों के निस्तारण में बैंक पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। यदि किसी आवेदन में दस्तावेज अपूर्ण हैं तो आवेदक को स्पष्ट रूप से इसकी जानकारी देते हुए आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाए, ताकि आवेदन का शीघ्र निस्तारण हो सके। उन्होंने सभी लंबित ऋण आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर जल्द निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि शासन की लाभकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। जिन बैंकों द्वारा शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में अपेक्षित सहयोग नहीं किया जा रहा है, उनके संबंध में संबंधित बैंक के नेशनल हेड को पत्र भेजकर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान (सीएम-यूवा), राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम), पीएम स्वनिधि, पीएम सूर्य घर योजना एवं किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के अंतर्गत मेगा ऋण शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि जनपद के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को गति देने के लिए उद्यमियों को अधिक से अधिक ऋण उपलब्ध कराया जाए तथा उनकी ऋण संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए बैंकिंग व्यवस्था को सक्रिय, पारदर्शी एवं संवेदनशील बनाए रखना आवश्यक है।

बैठक में विभिन्न शासकीय योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं बैंक प्रतिनिधियों को निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

चौबेपुर सीएचसी का निरीक्षण कर चिकित्सा कर्मियों को दिया गया प्रशिक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर के मौखिक निर्देशों के अनुपालन में नोडल अधिकारी (वीबीडी) डॉ. राजेश्वर सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी अरुण कुमार सिंह, मलेरिया निरीक्षक गौतम पुरवार एवं सहयोगी संस्था पाथ के रीजनल कोऑर्डिनेटर डॉ. शिवकांत ने ब्लॉक चौबेपुर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) का निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सा अधीक्षक, सीएचओ, एएनएम एवं आशा कार्यकर्ताओं को डेंगू, मलेरिया एवं फाइलेरिया से होने वाले रोगों की रोकथाम, बचाव एवं नियंत्रण के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

ब्लॉक चौबेपुर स्थित प्रयोगशाला कक्ष का भी गहन निरीक्षण किया गया। डेंगू एवं मलेरिया की आरडीटी किट प्रयोगशाला तथा सभी सीएचओ को उपलब्ध कराई गई। इसके साथ ही भौंती पीएचसी स्थित भौंती गौशाला का निरीक्षण कर वहां वाहक जनित रोगों की रोकथाम के लिए किए जा रहे बुखार सर्वेक्षण, जांच, सोर्स रिडक्शन तथा अन्य निरोधात्मक गतिविधियों का भौतिक सत्यापन किया गया। जनसामान्य को सोर्स रिडक्शन के महत्व की जानकारी देते हुए मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचाव के संबंध में स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान कर जागरूक किया गया।

जनपद के दादानगर, बर्रा-3, यशोदानगर, गुमटी नंबर-5 एवं रतनलाल नगर में डेंगू के मामले तथा भगवंतपुर सचेंडी (कल्याणपुर) क्षेत्र में मलेरिया का मामला सामने आया था। इन क्षेत्रों में आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई पूर्ण करा दी गई है।विभिन्न क्षेत्रों में एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण एवं सोर्स रिडक्शन अभियान जारी

जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण, सोर्स रिडक्शन, लार्वानाशक छिड़काव तथा प्रचार-प्रसार की कार्रवाई की गई। लोगों को लार्वा पनपने वाले स्थानों पर एकत्रित पानी को हटाने, जलभराव वाले स्थानों पर जले हुए मोबिल ऑयल अथवा केरोसीन ऑयल का प्रयोग करने, खुली त्वचा पर प्राकृतिक मच्छररोधी रिपेलेंट क्रीम लगाने तथा शरीर के अधिकांश हिस्से को कपड़ों से ढककर रखने की सलाह दी गई। साथ ही वाहक जनित एवं संचारी रोगों से बचाव के उपायों के प्रति जनसामान्य को जागरूक किया गया।

धनकुट्टी, एमटीसी ग्वालटोली, घाऊखेड़ा, कुली बाजार, सी-ब्लॉक गोविंद नगर, मुंशीपुरवा, निहूरा गांव, कपली गांव, रावतपुर, फोर्थ क्लास कैंपस मोतीझील, पी-ब्लॉक नवीन नगर काकादेव, गुजैनी, बर्रा-4 एवं पशुपति नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में कुल 944 घरों का सर्वेक्षण किया गया। इनमें 8 घरों में लार्वा धनात्मक पाए गए। कुल 7,135 पात्रों का सर्वेक्षण किया गया तथा 15 घरों में लार्वा नष्ट कराया गया।

जनमानस को संचारी रोगों के संबंध में सूचना देने अथवा जानकारी प्राप्त करने के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित कंट्रोल रूम में हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 संचालित हैं। प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संबंधित क्षेत्रों में टीमों द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

इसके अतिरिक्त नगर निगम स्थित कंट्रोल रूम में हेल्पलाइन नंबर 0512-2526004 एवं 2526005 भी संचालित हैं। जनसामान्य इन नंबरों पर संचारी रोगों से संबंधित सूचना अथवा जानकारी देकर आवश्यक कार्रवाई में सहयोग कर सकता है।

कोटपा अधिनियम के उल्लंघन पर 20 व्यक्तियों/दुकानदारों का हुआ चालान

चार हजार रुपये जुर्माना वसूला, प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की बिक्री पर कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर के निर्देशानुसार बुधवार को आर्य नगर क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कोटपा अधिनियम, 2003 के अंतर्गत सघन प्रवर्तन अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान, तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन, नाबालिगों को तंबाकू उत्पादों की बिक्री तथा शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तंबाकू उत्पादों की बिक्री सहित तंबाकू उत्पादों पर वैधानिक चेतावनी के संबंध में नियमों के अनुपालन की जांच की गई।

प्रवर्तन कार्रवाई के दौरान कुल 20 व्यक्तियों/दुकानदारों का चालान करते हुए उनसे 4,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया। जांच के दौरान तीन दुकानदारों के प्रतिष्ठानों पर बिना वैधानिक चेतावनी वाले तथा फ्लेवर्ड सिगरेट जैसे प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों की बिक्री पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की गई।संयुक्त टीम द्वारा सभी दुकानदारों को कोटपा अधिनियम की धारा-4, 5, 6 एवं 7 का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही चेतावनी दी गई कि भविष्य में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बताया गया कि जनपद में तंबाकू नियंत्रण को लेकर प्रवर्तन अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

शुरू हुई ईवीएम की फस्ट लेवल चेकिंग प्रक्रिया

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आने वाले वर्ष में होने वाले विधानसभा के चुनावों के देखते हुए निर्वाचन आयोग द्वारा चुनावों की तैयारियों को तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में गुयवार से ईवीएम की फस्ट लेवल चेकिंग की प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है।

इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया गया कि ईवीएम की फस्ट लेवल चेकिंग(एफएलसी) प्रक्रया शुरू हो गयी है। इस प्रक्रिया को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए बेंगलुरू से इंजीनियरों की टीम आई है। वहीं यह पूरी प्रक्रिया पूर्ण करने में लगभग दो सप्ताह का समय लग सकता है। बताया गया कि प्रक्रिया के अंतर्गत मशीनों की तकनीकी जांच तो की ही जायेगी साथ ही मशीनो में फीड पुराने डेटा को भी नियमानुसार हटाकर आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयार किया जायेगा। बताया गया कि इस तैयारियों को लेकर कुछ दिन पहले लखनऊ में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था।

छात्रवृत्ति से वंचित न रहे कोई पात्र बच्चा समय से पूरे कराएं आवेदन :डीएम

» प्रधानाचार्यों को दो दिन में आवेदनों का सत्यापन कर अग्रसारित करने के निर्देश

» लापरवाही से किसी पात्र छात्र की छात्रवृत्ति रुकी तो तय होगी जिम्मेदारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आर्थिक अभाव किसी पात्र बच्चे की पढ़ाई में बाधा न बने। छात्रवृत्ति के आवेदन समय से पूरे कराना शैक्षणिक संस्थानों की जिम्मेदारी है। किसी विद्यालय या कॉलेज की लापरवाही से पात्र छात्र-छात्रा छात्रवृत्ति से वंचित हुआ तो संबंधित प्रधानाचार्य के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शुक्रवार को पूर्वदशम् (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की कलेक्ट्रेट में आयोजित वर्चुअल समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की पढ़ाई जारी रखने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कई बच्चों की आगे की पढ़ाई और उससे जुड़े सपने इस सहायता पर निर्भर होते हैं। धन के अभाव में किसी बच्चे की पढ़ाई न छूटे, इसके लिए विद्यालय और कॉलेज छात्रवृत्ति आवेदनों को प्राथमिकता से निर्धारित समय सीमा में पूरा कराएं। संस्थान स्तर पर आवेदन लंबित रहने अथवा किसी अन्य लापरवाही के कारण कोई पात्र बच्चा छात्रवृत्ति से वंचित नहीं रहना चाहिए।

समीक्षा में कक्षा 9-10 के 5,967 और कक्षा 11-12 के 4,266 आवेदन शैक्षणिक संस्थानों के स्तर पर प्रक्रिया में पाए गए। जिलाधिकारी ने इन सभी आवेदनों का अगले दो दिनों में सत्यापन कर अग्रसारित करने के निर्देश दिए।

दशमोत्तर छात्रवृत्ति की समीक्षा में पाया गया कि 40 शैक्षणिक संस्थानों में छात्रवृत्ति पोर्टल पर मास्टर डाटा अपडेट करने की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। जिलाधिकारी ने इसे 26 सितंबर तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। वहीं, वित्तीय वर्ष 2025-26 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति से वंचित रह गए छात्र-छात्राओं के संबंध में सभी शैक्षणिक संस्थानों को आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उनके आवेदन 28 सितंबर तक अग्रसारित करने को कहा गया।

कक्षा 9-10 और कक्षा 11-12 के अधिक आवेदन लंबित रखने वाले विद्यालयों की भी अलग से समीक्षा की गई। इनमें जनसेवा इंटर कॉलेज प्रेमपुर, पं. गुरु प्रसाद गया प्रसाद इंटर कॉलेज, चौ. अयोध्या प्रसाद हायर सेकेंडरी स्कूल, यूनाइटेड एजूकेशन बिल्हौर, आयशा सिद्धिकी और हलीम मुस्लिम इंटर कॉलेज शामिल रहे। इन संस्थानों को लंबित आवेदनों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने कहा कि कॉलेज स्तर पर छात्रवृत्ति संबंधी कार्य में लापरवाही अथवा किसी पात्र छात्र-छात्रा के छात्रवृत्ति से वंचित रहने की स्थिति में संबंधित प्राचार्य अथवा प्रधानाचार्य की जिम्मेदारी तय करते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने गत वर्ष की तुलना में कम छात्रवृत्ति आवेदन कराने वाले कॉलेजों की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जिला विद्यालय निरीक्षक को दिए।

बैठक में डिप्टी कलेक्टर/प्रभारी जिला समाज कल्याण अधिकारी पुष्पेंद्र कुमार सिंह, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी बीरपाल और जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अमित प्रताप सिंह भी उपस्थित रहे।

कानपुर में ओवैसी का बड़ा बयान, बोले- नहीं बनने देंगे भजपा सरकार, किसी भी पार्टी से गठबंधन करने के लिए तैयार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार न बने, इसके लिए एआईएमआईएम (ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन) किसी भी पार्टी से गठबंधन करने के लिए तैयार है। गैर भाजपाई पार्टियों से गठबंधन के लिए बात चल रही है। दो अक्तूबर तक गठबंधन के लिए इंतजार कर रहे हैं। जिसके साथ गठबंधन होगा, उसी के साथ प्रदेश में एआईएमआईएम चुनाव लड़ेगी। ये बातें रविवार को एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने किया।

रविवार रात में बाबूपुरवा ईदगाह मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि प्रदेश में मुसलमानों का विकास नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का नाम लिए बिना बाबा, भइया कहकर दोनों को आड़े हाथों लिया। कहा कि सहारनपुर में मस्जिद और यहां बर्रा में कब्रिस्तान तोड़ना अराजकता है। मुजफ्फरनगर दंगों का जिक्र करते हुए उन्होंने पूर्व में रही सपा सरकार पर सवाल उठाए। कहा कि उस समय विधानसभा में 47 मुस्लिम विधायक होने के बावजूद मुस्लिमों को इंसाफ नहीं मिला। आरोप लगाया कि सपा में एमवाई नहीं केवल वाई है। अब भाजपा के राज में टी है। बताया कि मुसलमानों ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, कुर्बानियां दीं। आरएसएस पर भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से अब तक सियासी दलों ने मुसलमानों को वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया है। मुस्लिम समाज को केवल चुनाव के समय याद किया जाता है। चुनाव के समय वोट से झोली भरने का काम किया जात है लेकिन शिक्षा, रोजगार, संपत्ति, राजनीतिक हिस्सेदारी के लिए ठोस काम नहीं हुआ।छावनी क्षेत्र के विधायक मोहम्मद हसन रूमी को भी उन्होंने आड़े हाथों लिया। कहा कि उन्होंने न तो पुल बनवाया, अन्य वादे भी पूरे नहीं किए। रूमी कहते हैं कि वोट डिवाइड न हो जबकि विकास के नाम पर कुछ नहीं किया। बर्रा में कब्रिस्तान तोड़ने पर भी कुछ नहीं किया। एनआरसी का मुद्दा उठाते हुए सवाल किया कि इस मामले में बाबूपुरवा के तीन लोग मारे गए, उसमें विधायक ने क्या किया।

द्वेष और ईर्ष्या में जीवन न गंवाएं, सद्कर्मों से बनाएं जीवन सार्थक: वेदाचार्य योगेंद्र याज्ञिक

प्रेम, परोपकार और आध्यात्मिकता को जीवन का आधार बनाने का आह्वान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मानव जीवन संघर्ष, क्लेश, ईर्ष्या और आपसी द्वेष में जीवन बिताने के लिए नहीं मिला है। जीवन का वास्तविक उद्देश्य अपने सीमित समय का सदुपयोग करते हुए सद्कर्म करना, दूसरों के प्रति प्रेम और सौहार्द की भावना रखना तथा समाज और मानवता के लिए उपयोगी बनना है। यह विचार होशंगाबाद से पधारे वेदाचार्य योगेंद्र याज्ञिक ने व्यक्त किए।आर्य समाज गोबिन्द नगर के तत्वावधान में आयोजित वेद प्रचार महोत्सव में वेदाचार्य योगेंद्र याज्ञिक ने अपने संबोधन में कहा कि मनुष्य को अपने जीवन की वास्तविकता को समझते हुए प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना चाहिए। जीवन में सोने, बाल्यावस्था, वृद्धावस्था, परिवार और सामाजिक दायित्वों में काफी समय व्यतीत हो जाता है। ऐसे में जो समय हमारे पास उपलब्ध है, उसे आपसी विवाद, ईर्ष्या, अहंकार और अनावश्यक संघर्ष में नष्ट करने के बजाय सेवा, परोपकार और आत्मिक उन्नति में लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य संसार में खाली हाथ आता है और अंततः उसे अपने भौतिक मोह-माया और सांसारिक संबंधों को पीछे छोड़कर जाना पड़ता है। इसके बावजूद व्यक्ति जीवनभर धन, प्रतिष्ठा, प्रतिस्पर्धा और दूसरों से स्वयं को श्रेष्ठ साबित करने की होड़ में उलझा रहता है। यही मोह और अहंकार कई बार जीवन में अशांति का कारण बनते हैं।

महाभारत से भी मिलता है अहंकार और संघर्ष का संदेश

वेदाचार्य योगेंद्र याज्ञिक ने महाभारत के प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब मनुष्य के भीतर अहंकार, मोह, ईर्ष्या और प्रतिद्वंद्विता बढ़ जाती है तो उसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। महाभारत का प्रसंग मानव समाज को यह सीख देता है कि व्यक्तिगत स्वार्थ और श्रेष्ठता सिद्ध करने की जिद अंततः व्यापक संघर्ष का कारण बन सकती है।

उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य बाहरी प्रदूषण के साथ-साथ अपने मन के भीतर मौजूद नकारात्मकता को भी दूर करे। आधुनिक जीवन की भागदौड़, तनाव, असंतुलित दिनचर्या और खान-पान का प्रभाव व्यक्ति के शरीर और मन दोनों पर पड़ता है। इसलिए स्वस्थ एवं संतुलित जीवन के साथ सकारात्मक चिंतन भी आवश्यक है।

ईश्वर से मांगें सद्मार्ग पर चलने की शक्ति

वेदाचार्य ने कहा कि ईश्वर से केवल सांसारिक सुख-सुविधाएं मांगने के बजाय यह प्रार्थना करनी चाहिए कि हमारा जीवन निरंतर उन्नति और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़े। हमारे कर्मों से किसी को अनावश्यक पीड़ा न पहुंचे और जीवन के अंतिम पड़ाव पर हमें अपने किए हुए कर्मों को लेकर पछतावा न हो।उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और पवित्र भावना से करना चाहिए। जीवन की वास्तविक उपलब्धि केवल धन और प्रतिष्ठा अर्जित करना नहीं, बल्कि अपने आचरण से परिवार, समाज और मानवता के लिए सकारात्मक योगदान देना है।

प्रेम और परोपकार से ही जीवन बनेगा सार्थक

वेदाचार्य योगेंद्र याज्ञिक ने कहा कि मनुष्य को दूसरों को पीछे करने के बजाय स्वयं को बेहतर बनाने का प्रयास करना चाहिए। द्वेष के स्थान पर प्रेम, विवाद के स्थान पर संवाद, स्वार्थ के स्थान पर परोपकार और अहंकार के स्थान पर विनम्रता को जीवन का आधार बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीवन बहुत मूल्यवान है, समय सीमित है और प्रत्येक क्षण वापस नहीं आता। इसलिए जीवन को ईर्ष्या और संघर्ष में नहीं, बल्कि सद्कर्म, सेवा, प्रेम और आध्यात्मिक चेतना में लगाना चाहिए। ऐसा जीवन ही अंततः आत्मसंतोष और वास्तविक आनंद प्रदान करता है।

वेदाचार्य ने सभी से आह्वान किया कि वे अपने जीवन को सकारात्मक दिशा दें, दूसरों के जीवन में खुशियां लाने का प्रयास करें और समाज में प्रेम, शांति, सद्भाव एवं मानवता की भावना को मजबूत करने में अपना योगदान दें।

प्रमुख रूप से उपस्थित रहे

वेद प्रचार महोत्सव में वीरा चोपड़ा, शुभ कुमार वोहरा, वीरेन्द्र मल्होत्रा, चन्द्रकान्ता गेरा, डॉ. संतोष अरोड़ा, प्रकाश वीर आर्य, अनिल चोपड़ा, शकुंतला मेहंदी रत्ता सहित अनेक आर्यजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे तथा उन्होंने वेदाचार्य योगेंद्र याज्ञिक के आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी विचारों का श्रवण किया।

नहाती महिला का वीडियो बनाने का आरोप

कानपुर। यूपी के कानपुर से शर्मसार कर देने वाली खबर सामने आई है। जहां एक घर में नहा रही महिला का पास के पडोंसी ने वीडियो बनाया। पनकी थाना क्षेत्र के एफ ब्लॉक में नहाती महिला का मोबाइल से वीडियो बनाने के आरोप में पड़ोसी किरायेदार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।मूलरूप से बिठूर निवासी महिला अपने पति के साथ करीब एक माह से पनकी के एफ ब्लॉक स्थित मकान में किराये पर रह रही है। महिला के मुताबिक, 14 सितंबर की शाम वह छत पर बने बाथरूम में नहा रही थी।

इसी दौरान उसे दरवाजे के ऊपर से मोबाइल के जरिये वीडियो बनाए जाने का आभास हुआ। महिला ने दरवाजा खोलकर देखा तो बगल के कमरे में रहने वाला किरायेदार शनि मोबाइल लेकर खड़ा था। पूछताछ करने पर उसने वीडियो बनाने से इनकार किया।महिला के अनुसार, मकान मालकिन ने शनि का मोबाइल चेक किया। मोबाइल में उस दिन का कथित वीडियो नहीं मिला, लेकिन महिला के नहाते समय के कुछ पुराने वीडियो मौजूद थे।

टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुरू होगा तीन मंजिला जेल का निर्माण कार्य

» नई जेल के निमार्ण के बाद कम हो जायेगा शहर की जेल क्षमता से अधिक बंदियों को बोझ

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में वर्षो से चल रही नई जेल बनने की कवायद अब समाप्त हो चुकी है और जल्द ही कानपुर के नर्वल तहसील के अंतर्गत सरसौल तथा हाथीगांव के पास आधुनिक तीन मंजिला जेल का निमार्ण कार्य शुरू हो जायेगा। इस जेल के बन जाने के बाद कानपुर शहर की पुरानी जेल में लगातार बंदियों की बढती संख्या का दबाव भी कम हो जायेगा। इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया को पूरा करने के बाद तीन मजिंला जेल का निमार्ण कार्य शुरू कराया जायेगा।

बतादें कि कानपुर जेल में लगातार कैदियों की संख्या बढती जा रही थी, जिससे जेल प्रशासन को व्यवस्था करने में जहां परेशानी हो रही थी वहीं इस परेशानी के लिए वर्षो नई जेल की आवश्यकता भी महसूस की जा रही थी और वह लंबी प्रतिक्षा शासनादेश व बजट जारी होने के बाद समाप्त हो गया। शासन द्वारा बीते माह इस नई तीन मजिंला जेल की इमारत बनाने के लिए बजट जारी किया जा चुका है साथ ही पीडब्ल्यूडी के निर्माण खंड को शासनादेश भी प्राप्त हो चुका है।

अब जल्द ही टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के साथ निर्माण कार्य शुरू कराया जायेगा। इस नई जेल में सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा के साथ प्रशासनिक भवन व मुलाकात करने के कक्ष बनाये जाने के साथ साथ और भी सुविधायें होगी। अभी शहर की जेल में 1250 बंदियों की क्षमता होने के बाद भी डेढ हजार से अधिक कैदी वहां है। लेकिन अब 120:05 एकड भूमि पर विकसित होने वाली नई जेल के बनने के बाद पुरानी जेल का जहां भार कम हो जायेगा तो वही इस नई जेल में दो हजार से अधिक बंदियों को रखने की क्षमता होगी।

अनुरक्षण एवं संचालन शुल्क न चुकाने वाली टेनरियों पर होगी कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जाजमऊ के वाजिदपुर स्थित 20 एमएलडी कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) के शेष कार्यों को समय से पूरा कराने और पर्यावरणीय मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने परियोजना की प्रगति एवं विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए पाइपलाइन और मैनहोल के शेष कार्यों पर दो दिन में संयुक्त रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही संचालन एवं अनुरक्षण (ओएंडएम) शुल्क के बिलों का भुगतान नहीं करने वाली टेनरी इकाइयों के विरुद्ध यूपीपीसीबी को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में परियोजना से जुड़े विभिन्न कार्यों की बिंदुवार समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि परियोजना के अंतर्गत पाइपलाइन एवं मैनहोल से संबंधित जितने भी कार्य शेष हैं, उनके संबंध में यूपीपीसीबी एवं प्रोजेक्ट इंजीनियर संयुक्त रूप से रिपोर्ट तैयार करें। रिपोर्ट को सचिव, जेटेटा से सत्यापित कराकर दो दिवस के भीतर प्रस्तुत किया जाए।

सीईटीपी से निकलने वाले सॉलिड वेस्ट एवं स्लज के निस्तारण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने सॉलिड वेस्ट एवं स्लज का नियमानुसार उचित एवं सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि पर्यावरणीय मानकों का पूर्ण अनुपालन हो सके।

सीईटीपी प्लांट से संबंधित शेष कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित कांट्रेक्टर को निर्धारित समयावधि में सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना के लंबित कार्यों को तय समयसीमा के भीतर पूरा किया जाए।

बैठक में सीईटीपी के संचालन एवं अनुरक्षण शुल्क की स्थिति की भी समीक्षा हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन टेनरी इकाइयों द्वारा ओएंडएम शुल्क के बिलों का भुगतान नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध यूपीपीसीबी नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने परियोजना के सभी शेष कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के साथ पर्यावरणीय मानकों एवं संबंधित नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सीएम जनसुनवाई पोर्टल में फर्जीवाड़ा, दूसरे की रिपोर्ट से किया निस्तारण

» मुख्यमंत्री कार्यालय से भेजी शिकायत में मुख्य अभियंता ने लगाई असंबंधित आख्या, नगर आयुक्त से शासन स्तर तक किसी ने नहीं किया मिलान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण को लेकर गंभीर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। गोविन्द नगर ब्लॉक-8 स्थित सार्वजनिक पार्क से संबंधित शिकायत में आरोप है कि मुख्य अभियंता स्तर से किसी अन्य प्रकरण की आख्या लगाई गई और उसके बाद नगर आयुक्त से लेकर शासन स्तर तक अधिकारियों ने शिकायत और आख्या का मिलान किए बिना उसे आगे बढ़ा दिया। अंततः इसी असंबंधित आख्या के आधार पर शिकायत निस्तारित कर दी गई। मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से कर उच्चस्तरीय जांच और दोषी अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की गई है।

व्यापारी नेता प्रकाश वीर आर्य के अनुसार उन्होंने 24 जुलाई 2026 को मुख्यमंत्री को सीधे स्पीड पोस्ट के माध्यम से गोविन्द नगर ब्लॉक-8 स्थित सार्वजनिक पार्क में अवैध अतिक्रमण एवं निर्माण तथा माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन के संबंध में शिकायत भेजी थी। मुख्यमंत्री कार्यालय से यह मामला जनसुनवाई पोर्टल के माध्यम से संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के लिए भेजा गया। इसके बाद 25 अगस्त को शिकायत संख्या 12164260159269 दर्ज हुई।

पोर्टल के विवरण के अनुसार मुख्यमंत्री कार्यालय के विशेष सचिव नवनीत सिंह चहल की ओर से प्रकरण शासन के अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव/सचिव, नगर विकास तथा नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन विभाग को भेजा गया। वहां से 27 अगस्त को मामला नगर आयुक्त, नगर निगम को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजा गया। नगर आयुक्त स्तर से इसे मुख्य अभियंता को अग्रसारित किया गया। यहीं से मामले में सबसे गंभीर सवाल खड़ा होता है। मुख्य अभियंता स्तर से उनकी शिकायत के जवाब में जो आख्या लगाई गई, वह उनकी शिकायत से संबंधित ही नहीं है। 09 सितंबर की उस आख्या में शिकायतकर्ता का नाम जितेन्द्र कुमार तथा विषय जोन-5, वार्ड संख्या 50, कालिन्दी नगर स्थित पार्क की सफाई बताया गया है। जबकि आर्य की शिकायत गोविन्द नगर ब्लॉक-8 के सार्वजनिक पार्क, अतिक्रमण एवं उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन से संबंधित थी।आर्य का कहना है कि यह भी जांच का विषय है कि उक्त आख्या मूल रूप से किस अन्य शिकायत के निस्तारण के लिए तैयार की गई थी और मुख्य अभियंता कार्यालय ने उसे उनकी शिकायत में कैसे और किस आधार पर लगा दिया। शिकायतकर्ता, स्थान, पार्क और विषय अलग होने के बावजूद आख्या को उनकी शिकायत से जोड़ दिया गया। इसके बाद भी मामला आगे बढ़ता रहा। नगर आयुक्त से लेकर शासन स्तर तक किसी अधिकारी ने यह जांचने की आवश्यकता नहीं समझी कि प्रस्तुत आख्या वास्तव में उसी शिकायत का उत्तर है या किसी दूसरे प्रकरण की। अंततः उसी असंबंधित आख्या के आधार पर शिकायत का निस्तारण कर दिया गया।

आर्य ने कहा कि यह कोई छोटी-मोटी प्रशासनिक गलती नहीं है। शिकायतकर्ता अलग, स्थान अलग, पार्क अलग और शिकायत का विषय अलग होने के बावजूद रिपोर्ट लगाकर शिकायत निस्तारित कर देना जनसुनवाई पोर्टल की प्रक्रिया के साथ गंभीर खिलवाड़ है। इससे यह सवाल उठता है कि क्या शिकायतों को वास्तव में पढ़कर उनका परीक्षण किया जा रहा है अथवा केवल उपलब्ध आख्या को पोर्टल पर अपलोड कर निस्तारण की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि विपक्षी दल लंबे समय से आरोप लगाते रहे हैं कि अधिकारी कार्यालयों में बैठे-बैठे जनसुनवाई शिकायतों की निस्तारण रिपोर्ट लगा देते हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री कार्यालय से भेजी गई शिकायत में भी यदि किसी दूसरे प्रकरण की रिपोर्ट लगाकर निस्तारण कर दिया जाता है तो इससे जनसुनवाई व्यवस्था पर लगाए जा रहे सवालों को बल मिलता है।

विधायक ने जाजमऊ पुल की मरम्मत अवधि कम करने को लेकर जिलाधिकारी को लिखा पत्र

कानपुर। आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने जाजमऊ पुल को 90 दिनों तक बंद रखकर किए जा रहे मरम्मत कार्य पर चिंता व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी को पत्र लिखकर कहा कि यह पुल अत्यंत महत्वपूर्ण आवागमन मार्ग है। विशेष रूप से कानपुर-उन्नाव के बीच प्रतिदिन नौकरी एवं रोजगार के लिए आवागमन करने वाले बड़ी संख्या में कामगार, कर्मचारी एवं श्रमिक इस मार्ग पर निर्भर हैं। 90 दिनों तक पुल बंद रहने से उन्हें अतिरिक्त दूरी, समय और आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ेगा।

विधायक अमिताभ बाजपेई ने मांग रखते हुए कहा मरम्मत कार्य की 90 दिनों की समय-सीमा को कम किया जाए और कार्य को शुद्धता के साथ शीघ्र पूरा किया जातथा अतिरिक्त मैनपावर, मशीनरी और शिफ्ट बढ़ाकर कार्य में तेजी लाई जाए साथ ही कार्य की दैनिक प्रगति रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए ङ्क रोज बताया जाए कि कितना काम हुआ और कितना शेष है।उन्होंने कहा पुल बंद रहने की अवधि में वैकल्पिक यातायात (डायवर्सन) व्यवस्था को प्रभावी और सुचारू बनाया जाए ताकि आम नागरिकों को न्यूनतम परेशानी हो।इस संबंध में जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया है कि वे इस विषय पर ह.॥.ढ्ढ. के अधिकारियों से बात करके ठोस कार्रवाई करेंगे।

विधायक अमिताभ बाजपेई ने कहा, ÷जनता विकास कार्यों का स्वागत करती है, लेकिन ऐसे महत्वपूर्ण और व्यस्त मार्ग को लंबे समय तक बंद रखने से होने वाली परेशानी को भी गंभीरता से लिया जाना आवश्यक है। गुणवत्ता से समझौता किए बिना कार्य को यथासंभव कम समय में पूरा किया जाना चाहिए।

नेशनल हाईवे पर पलटा ट्रक यातायात हुआ बाधित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। रविवार की देर रात सडक दुघर्टना में तेज रफ्तार चलते हुए ट्रक के चालक को झपकी आ गयी, जिससे ट्रक का संतुलन बिगड गया, जब तक चालक कुछ समझता ट्रक डिवाइडर तोडता हुआ सडके की दूसरी लेन में जाकर पलट गया। हादसे में चालक जहां जख्मी हो गया तो वहीं हादसे के बाद मौके पर लोग एकत्र हो गये। हादवे में जाम लगने दशा हो गयी। इसी बीच सूचना पाकर मौके पर एनएसएआई की टीम भी मौके पर पहुंच गयी। जानकारी के अनुसार मरियानी नेशनल हाईवे के पास शिवराजपुर से बिल्हौर की तरफ जा रहे अपने ट्रक से ट्रक चालक थाना क्षेत्र शिवराजपुर निवासी नरेन्द्र सिंह को झपकी आ गयी, जिससे ट्रक का संतुलन बिगड गया और डिवाइडर तोडता हुए ट्रक दूसरी ओर जाकर पलट गया। मौके पर एकत्र ग्रामीणो ने हेल्पलाइन नम्बर पर घटना की जानकारी दी, जिसके बाद एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची और घायल चालक को इलाज के लिए अस्पताल भेजा तथा यातायात सुचारू रूप में चलता रहे तत्काल ट्रक को सडक से हटवाया। गनीमत यह रही कि हादसे के समय सडक के दूसरी ओर से कोई अन्य वाहन नही गुजर रहा था, अन्यथा हादसे की स्थिति और भी भयावह हो सकती थी।

निठारी कांड में बरी सुरेंद्र कोली का हरिद्वार में मिला शव

चाय की दुकान में फंदे से लटकी मिली लाश,पुलिस जांच में जुटी

» बीपीएस न्यूज

हरिद्वार/लखनऊ। उत्तराखंड के हरिद्वार से एक सनसनीखेज खबर आई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में चर्चित निठारी कांड से जुड़े आरोपी सुरेंद्र कोली की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उसका शव हरिद्वार के सप्त सरोवर क्षेत्र में लालमाता मंदिर के पास स्थित चाय की दुकान में मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू कर दी। बता दें कि निठारी कांड मामले में सुरेंद्र कोली दिसंबर 2025 में आरोपों से बरी होने के बाद जेल से रिहा हुआ था।

11 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने किया था बरी

निठारी कांड के अंतिम लंबित मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 11 नवंबर 2025 को सुरेंद्र कोली की दोषसिद्धि रद्द करते हुए उसे बरी कर दिया था। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस विक्रम नाथ की पीठ ने उसकी क्यूरेटिव याचिका स्वीकार करते हुए 2011 के उस फैसले को वापस लिया, जिसमें उसकी दोषसिद्धि और मौत की सजा बरकरार रखी गई थी। बाद में यह सजा उम्रकैद में बदल दी गई थी। कोर्ट ने उसे तत्काल रिहा करने का निर्देश दिया था, बशर्ते किसी अन्य मामले में उसकी जरूरत न हो। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक, कोली 12 अन्य मामलों में पहले ही बरी हो चुका था। जुलाई 2025 में शीर्ष अदालत ने उन मामलों में उसकी और मोनिंदर सिंह पंढेर की बरी होने की स्थिति को बरकरार रखा था। इसके बाद नवंबर 2025 में अंतिम लंबित मामले में भी कोली को राहत मिली।

2006 में सामने आया था निठारी कांड

निठारी कांड वर्ष 2006 में सामने आया था। नोएडा के निठारी क्षेत्र में मोनिंदर सिंह पंढेर की कोठी के पीछे नाले से बच्चों और महिलाओं के कंकाल मिलने के बाद यह मामला देशभर में सुर्खियों में आया। इसके बाद पुलिस और सीबीआई ने मामले की जांच की और मोनिंदर सिंह पंढेर तथा उसके घरेलू सहायक सुरेंद्र कोली को गिरफ्तार किया गया था। कोली पर हत्या, दुष्कर्म और अपहरण समेत गंभीर आरोप लगाए गए थे। उसके खिलाफ कुल 13 मामलों में मुकदमे चले। इनमें से 12 मामलों में वह बरी हो चुका था। अंतिम मामले में भी सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2025 में उसकी दोषसिद्धि को रद्द करते हुए उसे बरी कर दिया था।

चाय की दुकान में फंदे से लटका मिला शव

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कोली पिछले कुछ दिनों से हरिद्वार में चाय की दुकान चला रहा था। इसी चाय की दुकान में रस्सी के सहारे उसका शव लटका मिला। सूचना मिलते ही सप्तऋषि पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर

दी।पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान अल्मोड़ा जिले के भिकियासैंण क्षेत्र के ग्राम मंगरुखाल निवासी सुरेंद्र कोली के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके परिजनों को घटना की सूचना दे दी है और मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

क्या बोली पुलिस-

मामले में शहर कोतवाल कुंदन सिंह का कहना है कि मृतक की पहचान सुरेंद्र कोली के रूप में हुई है, जो निठारी मामले में आरोपी रहा था। मौके पर पुलिस मौजूद है और घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

महिला सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी? दिल्ली सामूहिक दुष्कर्म मामले पर बोले राहुल गांधी अमित शाह को भी घेरा

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली । दिल्ली में 17 साल की युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार और दिल्ली पुलिस पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर कहा कि युवती की हत्या के बाद उसका शव खुले मैदान में फेंक दिया गया और पुलिस को कई दिनों तक इसकी भनक नहीं लगी। राहुल गांधी ने इस घटना को राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला बताते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की।

राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का नाम लेते हुए कहा कि दिल्ली पुलिस उनके अधीन है। उन्होंने सवाल किया कि दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि क्या दिल्ली पुलिस का काम सिर्फ आम नागरिकों को डराना-धमकाना रह गया है। राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले में आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई के साथ सजा सुनिश्चित होनी चाहिए।क्या है पूरा मामला?

पुलिस के अनुसार, 17 वर्षीय युवती और आरोपी एक-दूसरे को जानते थे। पुलिस का कहना है कि दोनों कथित तौर पर एक टेंपो के भीतर साथ में शराब पी रहे थे। इसके बाद युवती के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया और फिर चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी गई। पुलिस ने बताया कि युवती का क्षत-विक्षत शव 13 सितंबर को कुशक रोड स्थित जयपाल राणा के खेत के पास मिला था। शव की हालत इतनी खराब थी कि तत्काल यह भी पता नहीं चल सका कि शव महिला का है या पुरुष का।

शव की हालत इतनी खराब कैसे हुई?

पुलिस के मुताबिक, शव के कुछ हिस्सों को आवारा कुत्तों ने खा लिया था। उसका एक हाथ भी शरीर से अलग मिला था। इसी वजह से शव की पहचान और उसके लिंग का पता लगाने में भी मुश्किल हुई। पुलिस ने मामले की जांच में यह जानकारी दी है कि युवती और आरोपी पहले से एक-दूसरे को जानते थे। पुलिस के अनुसार, साथ में शराब पीने के बाद घटना को अंजाम दिया गया। मामले में सामने आई इन जानकारियों के आधार पर पुलिस घटना की कड़ियों को जोड़ रही है।

राहुल गांधी ने पुलिस से क्या कार्रवाई मांगी?

राहुल गांधी ने कहा कि इस मामले में आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी होनी चाहिए। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और सजा की मांग की। साथ ही उन्होंने कथित आपराधिक गैर-जिम्मेदारी की जवाबदेही तय करने की बात कही। राहुल गांधी ने सवाल उठाया कि अगर राजधानी में 17 साल की युवती के साथ इतनी गंभीर घटना होती है और शव कई दिनों तक खुले मैदान में पड़ा रहता है, तो महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जिम्मेदारी किसकी बनती है।

नंदीग्राम में ममता ने कांग्रेस को समर्थन देने का ऐलान किया

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने संचिता प्रधान डे नाम की जिस महिला को नंदीग्राम सीट पर हो रहे उपचुनाव में उम्मीदवार बनाया था, उन्होंने अपनी उम्मीदवारी ही वापस ले ली है। संचिता ने राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से मुलाकात करने के बाद अपनी उम्मीदवारी वापस लेने का फैसला किया है। कहा जा रहा है कि संचिता डे मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से आशीर्वाद लेने गए थे लेकिन उन्होंने उनसे बातचीत के बाद अपनी उम्मीदवारी ही वापस ले ली।

यह घटनाक्रम नंदीग्राम में होने वाले अहम उप चुनाव से ठीक एक महीने पहले सामने आया है। संचिता ने यह कदम नबन्ना स्थित राज्य सचिवालय में मुख्यमंत्री अधिकारी से मुलाकात के कुछ ही घंटों बाद उठाया।

हालांकि, सूत्रों ने पहले इसे महज एक शिष्टाचार मुलाकात बताया था, लेकिन चूंकि शुभेंदु अधिकारी नंदीग्राम के मौजूदा विधायक और मुख्यमंत्री हैं, इसलिए राजनीतिक हलकों में इस मुलाकात को काफी अहमियत दी जाने लगी थी।

संचिता प्रधान डे ने अपनी उम्मीदवारी वापस लेने की घोषणा ऐसे समय में की है

जब ममता बनर्जी के खेमे को चुनाव आयोग से रेजीनगर और नंदीग्राम में होने वाले उपचुनावों के लिए नया चुनाव चिह्न मिला है। इससे एक दिन पहले यानी गुरुवार को चुनाव आयोग ने तृणमूल कांग्रेस पार्टी के नाम और चुनाव चिह्न को फ्रीज कर दिया था।

उसके बाद दोनों गुटों से नाम और सिंबल के तीन-तीन विकल्प मांगे थे। अब आयोग ने ममता गुट को ममता,द्धञ्झस्ष्ट नाम और फुटबॉल खिलाड़ी चुनाव चिह्न आवंटित किया है।

कांग्रेस प्रत्याशी गिरफ्तार, कुछ घंटे पहले ही ममता बनर्जी ने किया था समर्थन का एलान

पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम विधानसभा उपचुनाव से पहले शुक्रवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया। कांग्रेस के उम्मीदवार मिलन प्रधान को एक पुराने कथित हत्या मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। खास बात यह है कि गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले ही ममता बनर्जी ने नंदीग्राम उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन देने का एलान किया था। ममता बनर्जी ने कहा कि उनका गुट कांग्रेस उम्मीदवार का समर्थन करेगा और इस फैसले का उद्देश्य विपक्षी गठबंधन को मजबूत करना है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब नंदीग्राम में छह अक्तूबर को उपचुनाव होना है।

मिलन प्रधान की गिरफ्तारी किस मामले में हुई?कांग्रेस प्रत्याशी मिलन प्रधान को पश्चिम बंगाल में एक पुराने कथित हत्या मामले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी की खबर ममता बनर्जी की प्रेस कॉन्फ्रेंस के कुछ घंटे बाद सामने आई। ममता ने शुक्रवार को अपने कालीघाट स्थित आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर नंदीग्राम में कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन देने की घोषणा की थी। इस तरह एक ही दिन में नंदीग्राम चुनाव को लेकर दो बड़े घटनाक्रम सामने आए। एक तरफ कांग्रेस को ममता के गुट का समर्थन मिला, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस प्रत्याशी की गिरफ्तारी हो गई।

ममता खेमे को नया नाम-निशान, बागी गुट की भी बदली पहचान, उपचुनाव से पहले टीएमसी में बड़ा उलटफेर

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता।बंगाल के सबसे बड़े राजनीतिक कुनबे में मचे घमासान के बीच तृणमूल की पारंपरिक पहचान पर अब तक का सबसे बड़ा वज्रपात हुआ है। 1998 में पार्टी की स्थापना के बाद से तृणमूल का पर्याय बन चुका ऐतिहासिक जोड़ाफूल चुनाव चिह्न और ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस का नाम अब अतीत की बात बनने की कगार पर है।

नंदीग्राम और रेजिनगर विधानसभा उपचुनावों से ठीक पहले चुनाव आयोग ने एक ऐसा अंतरिम चाबुक चलाया है, जिसने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले कालीघाट खेमे और ऋतोब्रत बनर्जी की अगुआई वाले बागी गुट, दोनों को ही एक झटके में बेदखल कर दिया है। आयोग के इस फैसले के बाद राज्य के राजनीतिक तापमान में अचानक से जबरदस्त उबाल आ गया है।चुनाव आयोग द्वारा आरक्षित नाम और प्रतीक के इस्तेमाल पर लगाई गई रोक के बाद कालीघाट स्थित ममता बनर्जी के आवास पर देर रात तक रणनीतिकारों का जमावड़ा लगा रहा। उपचुनाव की

समय-सीमा को देखते हुए ममता खेमे ने बिना समय गंवाए गुरुवार आधी रात को ई-मेल के जरिए आयोग को तीन नए नाम और दो नए चुनाव चिह्नों के प्रस्ताव भेज दिए।

सूत्रों के अनुसार, ममता समर्थकों ने पार्टी के नाम में ममता शब्द को हर हाल में बनाए रखने की शर्त रखी है, ताकि वोटरों के बीच असली तृणमूल का संदेश साफ रहे। आयोग को भेजे गए विकल्पों में 'सर्वभारतीय तृणमूल ममता कांग्रेस', 'सर्वभारतीय ममता तृणमूल कांग्रेस' और 'ममता तृणमूल कांग्रेस' शामिल हैं। वहीं चुनाव चिह्न के तौर पर फुटबॉल खेलते खिलाड़ी और क्रिकेट बैट को पहली पसंद बताया गया है, जो ममता के चर्चित राजनीतिक तेवरों से पूरी तरह मेल खाता है। आयोग ने भी ममता गुट को पार्टी के नाम के तौर पर ममता ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस और फुटबॉल खेलते खिलाड़ी वाला चुनाव चिन्ह दिया हैं।

ये चुनाव चिन्ह ममता के 2021 के नंदीग्राम चुनाव से ही पार्टी के लिये बड़ा हथियार रहा हैं जिसे अब नंदीग्राम के ही उपचुनाव में ममता बनर्जी इस्तेमाल करेगी।

दूसरी ओर, इस फैसले से बागी ऋतब्रत बनर्जी गुट को भी तगड़ा झटका लगा है, जो जोड़ाफूल पर अपना पूर्ण मालिकाना हक मानकर चल रहा था। हालांकि, उनके खेमे ने आयोग के इस अंतरिम कदम का स्वागत करते हुए दावा किया है। ऋतोब्रत गुट को आयोग ने डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस और चुनाव चिन्ह के तौर पर लिफाफा का निशान जारी किया है।इस पूरे अदालती और प्रशासनिक दांव-पेच के बीच नंदीग्राम और रेजिनगर के चुनावी समर में उतरे उम्मीदवारों की नींद उड़ गई है।

लंदन से लौटे डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में भूले आईफोन रात 3 बजे एयरपोर्ट पर मची खलबली

» बीपीएस न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का आईफोन हाल ही में मुंबई एयरपोर्ट पर उतरने के बाद ब्रिटिश एयरवेज के विमान में ही छूट गया रहा। हफ्ते भर के लंदन दौरे के बाद शिंदे का विमान देर रात करीब दो बजे छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंड हुआ था। एयरपोर्ट से बाहर निकलकर शिंदे अपने घर भी पहुंच चुके थे, लेकिन रात करीब 3 बजे उन्हें अचानक अहसास हुआ कि उनका आईफोन गायब है। इसके बाद पूरी टीम अलर्ट हो गई और एयरपोर्ट पर फोन की खोजबीन शुरू हो गई।

जैसे ही शिंदे को फोन न मिलने की बात पता चली, उनकी टीम ने तुरंत पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी दी। मुंबई पुलिस ने बिना देर किए ब्रिटिश एयरवेज के सुरक्षा कर्मचारियों से संपर्क साधा। पुलिस और एयरलाइन की सिक्योरिटी टीम ने मिलकर प्लेन के अंदर तलाशी अभियान शुरू किया। सर्च ऑपरेशन शुरू होने के करीब एक घंटे बाद, तड़के 4 बजे के आसपास फोन को विमान के भीतर से सुरक्षित ढूंढ निकाला गया। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने राहत की सांस ली और फोन ले जाकर डिप्टी सीएम को वापस सौंपा।उपमुख्यमंत्री शिंदे रोजमर्रा की बातचीत और वीडियो कॉल के लिए मुख्य रूप से आईफोन का ही इस्तेमाल करते हैं। आधिकारिक बैठकों के दौरान वह अक्सर अपना फोन अपने पर्सनल असिस्टेंट को थमा देते हैं। वैसे यह पहला मौका नहीं है जब शिंदे का फोन इस तरह कहीं छूटा हो। इससे पहले भी जब वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे, तब उनका एक मोबाइल फोन कहीं गुम हो गया था, जिसे बाद में पुलिस ने ढूंढकर बरामद कर लिया था।

भाजयुमो के जिला महामंत्री की गोली मारकर हत्या

बंद कमरे में मिला शव, सिर के पीछे से मारी गई थी गोली

» बीपीएस न्यूज

सहरसा । बिहार के सहरसा जिले में बेखौफ अपराधियों ने बड़ी वारदात को अंजाम देते हुए भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के जिला महामंत्री की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सदर थाना क्षेत्र के गौतम नगर, वार्ड नंबर 15 की है, जहां शुक्रवार दोपहर एक बंद मकान से भाजयुमो नेता का खून से लथपथ शव बरामद हुआ।

आशंका जताई जा रही है कि हत्या बुधवार की रात ही की गई थी। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान 26 वर्षीय अभिजीत सिंह राजपूत उर्फ राजा के रूप में हुई है। वह भाजयुमो के जिला महामंत्री थे।

अभिजीत मूल रूप से सुपौल जिले के गढ़बरुआरी, वार्ड नंबर 5 के रहने वाले थे और सहरसा के गौतम नगर स्थित अपने निजी मकान में रहते थे।

भाजयुमो के जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह कुशवाहा ने बताया कि अभिजीत का फोन पिछले दो दिनों से नहीं उठ रहा था। शुक्रवार को जब उनका एक दोस्त घर पहुंचा और आवाज दी, तो अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं

मिली। खिड़की से झांककर देखा गया तो अभिजीत बेडरूम में अचेत पड़े थे और उनके चेहरे पर तकिया ढका हुआ था। अनहोनी की आशंका होते ही तुरंत सदर थाना पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जब मुख्य दरवाजा तोड़ा, तो अंदर का नजारा खौफनाक था। कमरे से तेज बदबू आ रही थी और अभिजीत खून से लथपथ मृत पड़े थे।स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, अपराधियों ने अभिजीत के सिर के पीछे से गोली मारी थी, जो उनकी दाहिनी आंख को चीरती हुई बाहर निकल गई। माना जा रहा है कि इस जघन्य हत्याकांड में कोई बेहद करीबी शामिल हो सकता है। आशंका है कि हत्यारे पहले घर के अंदर आए, बातचीत की और मौका पाकर गोली मार दी। इसके बाद वे घर के पिछले दरवाजे से निकले और बाउंड्री वॉल के पास कुर्सी लगाकर दीवार फांदकर फरार हो गए।पारिवारिक पृष्ठभूमि की बात करें तो अभिजीत के पिता हर्षवर्धन सिंह, जो इंजीनियर थे, का निधन वर्ष 2018 में कैंसर से हो गया था, जबकि मां का देहांत 2017 में ही एक बीमारी की वजह से हो गया था। अभिजीत दो भाइयों में बड़े थे। उनका छोटा भाई फिलहाल दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रहा है। जानकारी के अनुसार, अभिजीत पर पूर्व में कुछ आपराधिक मामले भी दर्ज थे। अभिजीत के चाचा अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि परिवार को घटना की सूचना अचानक मिली।

नेस्ले इंडिया के खिलाफ हुई बड़ी कार्रवाई

शिशु आहार के भ्रामक दावों पर तीन मामले दर्ज

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शिशु आहार बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड की दो इकाइयों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

प्राधिकरण ने शुक्रवार को कंपनी के दो प्रमुख उत्पादों नैन एक्सेला प्रो स्टेज एक और लैक्टोजन प्रो एक को लेकर जांच के बाद कार्रवाई का आदेश जारी किया है। प्राधिकरण नेस्ले इंडिया लिमिटेड के खिलाफ तीन अलग-अलग मामलों में कार्रवाई शुरू की है।

प्राधिकरण ने ई-कॉमर्स पर बिक रहे इन उत्पादों की जांच में पाया कि कंपनी अपने उत्पाद पर पांच एचएमओ और व्हे प्रोटीन और आसानी से पचने वाला व्हे प्रोटीन जैसे दावे कर रही थी। नियमों के अनुसार शिशु आहार उत्पादों पर इस तरह बिक्री बढ़ाने वाले दावे और विज्ञापन करना पूरी तरह मना है। यह शिशु पोषण विनियम 2020 और शिशु दुग्ध विकल्प अधिनियम 1992 का सीधा उल्लंघन है।इसके अलावा कंपनी के फॉलोअप फॉर्मूला के एक नमूने की प्रयोगशाला जांच में बायोटिन की मात्रा तय मानक से कम पाई गई। दोबारा जांच के लिए भेजने पर भी नमूना मानकों पर खरा नहीं उतरा। इन्हीं कारणों से प्राधिकरण ने नेस्ले के खिलाफ कार्रवाई की।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने शिशु आहार बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड की दो इकाइयों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है।

मोदी के जन्मदिन पर सीएम विजय का संदेश, बोले: मजबूत भारत बनाने के लिए कर रहे हैं काम

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई दी और उन्हें एक ऐसा नेता बताया जो एक मज़बूत भारत बनाने के लिए पूरे समर्पण के साथ काम कर रहे हैं। 17 सितंबर को पीएम मोदी 76 साल के हो गए। इस मौके पर कई बड़े राजनेताओं और अभिनेताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। सरकारीयोजनाएं खोजें

(पहले ट्विटर) पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री कार्यालय के अकाउंट से किए गए एक पोस्ट में,

विजय ने प्रधानमंत्री के अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। उनका यह संदेश तब आया जब देश भर के राजनेताओं ने मोदी को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। उन्होंने लिखा कि मैं भारत के प्रधानमंत्री थिरु नरेंद्र मोदी अवर्गाल को जन्मदिन की हार्दिक बधाई देता हूं, जो एक मज़बूत भारत बनाने के लिए पूरे समर्पण के साथ नेतृत्व कर रहे हैं। मैं पूरे दिल से आपके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करता हूं।

इस बीच, पूरे तमिलनाडु में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने मोदी का जन्मदिन 'सेवा दिवस' के तौर पर मनाया। इन कार्यक्रमों में मंदिरों में पूजा-अर्चना, बुजुर्गों के लिए मेडिकल कैंप और सफाई कर्मचारियों के सम्मान समारोह शामिल थे। बीजेपी की वरिष्ठ नेता तमिलिसाई सुंदरराजन ने कहा कि पार्टी प्रधानमंत्री का जन्मदिन वाला महीना 'सेवा माह' के तौर पर मना रही है। मारुंडीश्वर मंदिर में कार्यकर्ताओं ने मोदी के अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि हम सभी बहुत खुश हैं कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री का जन्मदिन 'सेवा माह' के तौर पर मनाया जा रहा है। आज हमने आनंद कराथे त्यागराजन और ज़िला अध्यक्ष कुमार के नेतृत्व में मारुंडीश्वर मंदिर से इसकी शुरुआत की है। सबसे पहले, हमने मारुंडीश्वर मंदिर में अपने माननीय प्रधानमंत्री की लंबी और स्वस्थ उम्र के लिए प्रार्थना की।

उन्होंने आगे कहा कि बुजुर्गों को मेडिकल मदद और तोहफ़े दिए गए, साथ ही सफ़ाई कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। हमने मेडिकल कैंप और तोहफ़ों के ज़रिए बुजुर्गों की सेवा की और उन्हें अच्छा खाना खिलाया। और सफ़ाई कर्मचारी भाई-बहनों को हमने कुछ तोहफ़े देकर अपना प्यार और स्नेह जताया; हम सभी उनके साथ बैठकर खाना भी खाया।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सीडीओ अभिनव जे जैन ने किया रक्तदान

» प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर स्वास्थ्य विभाग ने चलाया वृहद रक्तदान अभियान

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर बुधवार को जनपद में वृहद स्तर पर रक्तदान अभियान चलाया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कुल 23 स्थानों पर रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में कुल 452 व्यक्तियों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।रक्तदान अभियान में जनप्रतिनिधियों, जनपद स्तरीय अधिकारियों, चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों और आम नागरिकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। शहर के प्रमुख सरकारी एवं निजी अस्पतालों और ब्लड बैंकों के साथ ही घाटमपुर, सरसौल और बिल्हौर में भी रक्तदान शिविर आयोजित किए गए।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान के तहत रक्तदान को जनभागीदारी से जोड़ते हुए जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में शिविर लगाए गए। कुल 452 व्यक्तियों ने 452 यूनिट(प्रत्येक ने एक यूनिट) स्वैच्छिक रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनरक्षक है और स्वस्थ एवं पात्र व्यक्तियों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।अभियान के अंतर्गत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र गुजैनी गोविंद नगर, 28 एच-ब्लॉक किदवई नगर, मान्यवर कांशीराम चिकित्सालय, आईएमए इन हाउस, रॉयल पैराडाइज सीसामऊ, यूएचएम चिकित्सालय, जीएसवीएम ब्लड बैंक, एलपीएस कार्डियोलॉजी ब्लड बैंक, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घाटमपुर, सरसौल एवं बिल्हौर में रक्तदान

शिविर लगाए गए।इसके अतिरिक्त कृष्णा हॉस्पिटल, नेशनल ब्लड बैंक, रामा मेडिकल कॉलेज ब्लड बैंक, रीजेंसी हॉस्पिटल, मायांजलि चैरिटेबल ब्लड बैंक, श्याम बिहारी चैरिटेबल ब्लड बैंक, जीवन धारा चैरिटेबल ब्लड बैंक, मानस चैरिटेबल ब्लड सेंटर, डी-स्टेयर चैरिटेबल ब्लड सेंटर, रीवा हेल्थ केयर, मंगला चैरिटेबल ब्लड सेंटर तथा स्नेह चैरिटेबल ब्लड सेंटर में भी रक्तदान शिविर आयोजित किए गए।अभियान में विधायक सुरेंद्र मैथानी, महेश त्रिवेदी और सरोज कुरील, विधान परिषद सदस्य सलिल विश्नोई सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की सहभागिता रही। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिदत्त नेमी तथा विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के निदेशक, प्राचार्य एवं चिकित्सकों ने भी अभियान में सहभागिता की।उर्सला में मरीजों से मिले डीएम-सीडीओ, फल वितरित किए, सीडीओ ने किया रक्तदानसेवा संकल्प माह के शुभारंभ के क्रम में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने ऐतिहासिक उर्सला अस्पताल के आयुष्मान वार्ड में भर्ती मरीजों एवं उनके तीमारदारों से मुलाकात की। दोनों अधिकारियों ने मरीजों का हालचाल जाना और उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेने के साथ फल वितरित किए। इस दौरान आयोजित रक्तदान शिविर में सीडीओ अभिनव जे जैन ने रक्तदान भी किया।जिलाधिकारी ने कहा कि उर्सला अस्पताल कानपुर नगर की ऐतिहासिक स्वास्थ्य संस्थाओं में से एक है और इसकी स्थापना को लगभग 90 वर्ष हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से शुरू हुए सेवा संकल्प माह के तहत यहां मरीजों की कुशलता जानने और उनकी सेवा के उद्देश्य से फल वितरण किया गया।उन्होंने कहा कि सेवा भाव ही सेवा संकल्प का मूल उद्देश्य है। इसी भावना के तहत उर्सला अस्पताल में फल वितरण के साथ रक्तदान भी किया गया, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके।जिलाधिकारी ने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक सेवा संकल्प माह के अंतर्गत विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवा कार्यों की जानकारी आमजन तक पहुंचाने के साथ समाज में सेवा भाव को और मजबूत करने का प्रयास किया जाएगा।

अब फेशियल पर पैसे क्यूं खर्च करना - बेसन और दही से बनाएं देसी उबटन, चेहरे पर आएगा गजब का निखार

आजकल फेस की चमक बरकरार रखने के लिए लोग महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स और फेशियल पर पैसे खर्च करते हैं। लेकिन क्या आप जानती हैं कि पुराने समय में हमारी दादी-नानी कैसे स्किन का अपना ख्याल रखती थीं। पहले न फेस वॉश था और न कोई क्रीम थी। पुराने समय में त्वचा की देखभाल करने के लिए घर में मौजूद चीजों से बने उबटन का इस्तेमाल किया जाता था। आपको जानकर हैरानी होगी कि आजकल खाने में यूज होने वाली चीजें पहले खूबसूरती बढ़ाने में भी काम आती थीं। बेसन, दही, हल्दी और शहद जैसी चीजों से उबटन बनाकर तैयार किया जाता था। इस उबटन को लगाने से आपकी स्किन साफ और मुलायम होती थी और आप भी चेहरा निखारने के लिए इस उबटन का इस्तेमाल कर सकती हैं।

» ऐसे बनाएं देसी उबटन

यह उबटन बनाने के लिए कटोरी में 2 चम्मच बेसन, 1 चुटकी हल्दी, 1 चम्मच दही और आधा चम्मच शहद ले लें। इन सभी चीजों को अच्छे से मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अगर आपकी स्किन ड्राई है, तो इसमें कुछ बूंदे गुलाब जल की जगह थोड़ा सा दूध मिला लें।

» फेस पर लगाने का तरीका

सबसे पहले फेस वॉश कर लें। फिर तैयार उबटन को फेस और गर्दन पर पतली लेयर के साथ लगाएं। अब करीब 15 मिनट तक इसको लगा रहने दें और पूरी तरह से जब यह सूख जाए, तो हल्के हाथों से पानी की मदद से साफ करें। इसके बाद स्किन पर मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।

» क्यों फायदेमंद है उबटन

हालांकि इस उबटन के फायदे और नुकसान दोनों हो सकते हैं। इसका फायदा आपको इस्तेमाल करके देखना है। लेकिन अधिकतर लोगों को इसके फायदे मिल सकते हैं।बेसन स्किन से गंदगी और तेल को हटाने में मदद करता है। यह स्किन को साफ महसूस कराता है।

दही में लैक्टिक एसिड मौजूद होता है। जिससे स्किन को हल्का एक्सफोलिएट करने में सहायता मिलती है। जिससे स्किन मुलायम महसूस हो सकती है।शहद स्किन में नमी बनाए रखने में सहायता करती है और यह ड्राई स्किन के लिए फायदेमंद हो सकता है।हल्दी करक्यूमिन जैसे यौगिक पाए जाते हैं, जिनमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, इससे आपको काफी फायदा हो सकता है।

» हफ्ते में कितनी बार लगाएं

अगर आपकी त्वचा इस मिश्रण को अच्छे से सहन करती है, तो सप्ताह में 1 बार इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। बहुत ज्यादा लगाने या रगड़ने से त्वचा में रूखापन या जलन हो सकता है।

» पैच टेस्ट जरूर करें

अगर आप पहली बार इस मिश्रण का इस्तेमाल करने जा रही हैं, तो पहले थोड़ा सा मिश्रण हाथ की स्किन पर लगाकर पैच टेस्ट कर लें। खुजली, जलन या लालिमा महसूस होने पर इसको फेस पर न लगाएं। वहीं इस उबटन को आंखों के आसपास लगाने से बचें।

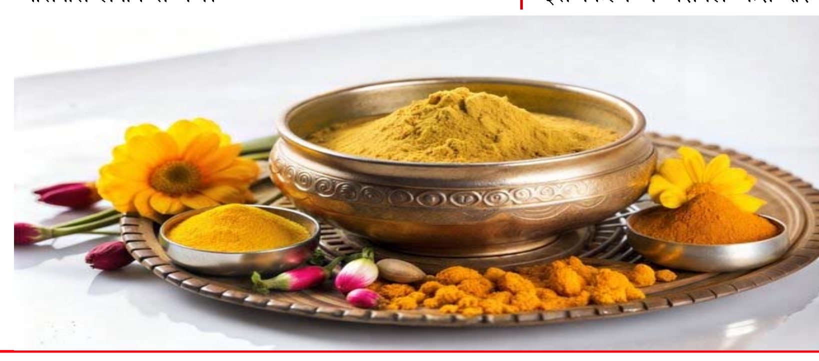

बायोपिक फिल्म में नज़र आएगी अदाकारा रश्मिका मंदाना

दिग्गज गायिका और भारत रत्न एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी पर बनने वाली प्रतिष्ठित पैन-इंडिया बायोपिक को विजनरी प्रोड्यूसर्स अल्लू अरविंद, रॉकलाइन वेंकटेश और बन्नी वास ने आधिकारिक रूप से लॉन्च किया। फिल्म का भव्य लॉन्च बुधवार को चेन्नई की प्रतिष्ठित म्यूजिक अकादमी में किया गया, जो एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की 110वीं जयंती का अवसर भी था। दिग्गज अभिनेता और उलगनायगन कमल हासन ने आधिकारिक रूप से इस प्रोजेक्ट को लॉन्च किया और रश्मिका मंदाना के साथ फिल्म के पहले शॉट के लिए क्लैप दिया। इस कार्यक्रम में एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी के परिवार के सदस्य, प्रसिद्ध कर्नाटक संगीतकार और फिल्म इंडस्ट्री की कई प्रमुख हस्तियां मौजूद रहीं। लॉन्च कार्यक्रम में सुहासिनी, अभिनेता शिवकुमार, निर्देशक महेंद्रन, अभिनेता-निर्देशक समुथिरकानी, प्रोड्यूसर्स कलैपुली एस. थानु, राजेंद्रन, कटरगड्डा प्रसाद, एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी के पोते चंद्रशेखर और उनकी पत्नी माला सहित सिनेमा और शास्त्रीय संगीत की दुनिया से जुड़े कई प्रतिष्ठित अतिथि भी शामिल हुए।

एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी भारत की महानतम संगीत हस्तियों में से एक थीं, जिनकी दिव्य आवाज़ ने दशकों तक देश और दुनियाभर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इस फिल्म में नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी की भूमिका में हैं, जबकि प्रशंसित फिल्ममेकर गौतम तिन्ननुरी इस फिल्म के निर्देशक हैं। म्यूजिक सेंसेशन अनिरुद्ध रविचंदर फिल्म के साउंडट्रैक की रचना की है। इस कार्यक्रम में उलगनायगन कमल हासन ने कहा, ÷एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी अम्मा वह संगीत सम्राज्ञी थीं, जिन्होंने अपनी आवाज़ के जरिए भारत, खासकर दक्षिण भारत को एकजुट किया। उन्होंने संस्कृत, हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और कई अन्य भाषाओं में गाया। उन्होंने चाहे जिस भाषा में गाया हो, अपने संगीत के जरिए उसकी खूबसूरती को और निखारा। यही वह कालजयी संदेश है जो उनका संगीत हम सभी को देता है।÷अदाकारा रश्मिका मंदाना ने कहा, ÷एक अभिनेत्री के तौर पर यह अविश्वसनीय अवसर मिलने पर मेरा दिल कृतज्ञता से भर गया है। एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी अम्मा की 110वीं जयंती के अवसर पर मैं उन्हें दिल से शुभकामनाएं और सम्मान अर्पित करती हूं। इस मंच पर खड़ा होना ऐसा महसूस हो रहा है जैसे मैं स्वयं ईश्वर की मौजूदगी में खड़ी हूं। मैं बेहद गर्व और सम्मान महसूस कर रही हूं कि मुझे एम.एस. अम्मा की असाधारण जीवन यात्रा का एक छोटा-सा हिस्सा बनने का अवसर मिला है। हमें सच में विश्वास है कि इस पूरी फिल्म के दौरान उनका आशीर्वाद हमेशा हमारे साथ रहेगा। मैं वादा करती हूं कि इस भूमिका के लिए अपना पूरा समर्पण दूंगी और एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी अम्मा को इस तरह पर्दे पर प्रस्तुत करने की हर संभव कोशिश करूंगी, जिसे आप सभी पसंद और सराह सकें।÷

प्रस्तुति -काली दास पाण्डेय

नगर आयुक्त ने सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का किया स्थलीय निरीक्षण

» नगर आयुक्त ने रात्रि 12 बजे शहर में चल रहे सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का किया स्थलिय निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय द्वारा 18 सितंबर की रात्रि लगभग 12ः00 बजे शहर में चल रहे मार्ग निर्माण एवं मरम्मत कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सीएम ग्रिड सहित विभिन्न मार्गों पर चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति, सड़क की गुणवत्ता, यूटिलिटी शिफ्टिंग, निर्माण स्थल की स्थिति एवं साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लिया गया। नगर आयुक्त द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कार्यदायी संस्थाओं को कार्यों को निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण करने के कड़े निर्देश दिए गए।सर्वप्रथम जोन-6 के काकादेव क्षेत्र स्थित वार्ड-20 में प्लांट के माध्यम से कराए जा रहे मार्ग निर्माण/मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया गया। मौके पर नगर आयुक्त द्वारा सड़क की गुणवत्ता का आकलन करते हुए स्वयं तकनीकी पैमाने के माध्यम से सड़क की मोटाई की जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद, सहायक अभियंता एवं कार्यदायी संस्था की टीम उपस्थित रही। नगर आयुक्त द्वारा स्पष्ट किया गया कि सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता के प्रति किसी भी प्रकार की उदासीनता अथवा लापरवाही क्षम्य नहीं होगी तथा समस्त कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों एवं उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए।

इसके उपरांत देवकी चौराहा से छपेड़ा पुलिया की ओर जाने वाले मार्ग का निरीक्षण किया गया। मौके पर ट्रेंच की खुदाई का कार्य प्रचलित पाया गया। नगर आयुक्त द्वारा निर्देशित किया गया कि इस कार्य को पूर्ण करने के लिए पिछले निरीक्षण के द्वारा ही निर्देश दिए गए थे परंतु मौके पर कोई भी प्रभावी कार्रवाई नहीं पाई गई जिस पर क्षेत्रीय जोनल अभियंता को चेतावनी जारी करने की निर्देश दिए गए साथ ही उक्त कार्य को शीघ्र पूर्ण कराया जाए तथा कार्य में तेजी लाने के लिए प्रथम एवं द्वितीय, दोनों पालियों में टीम लगाकर कार्य कराया जाए। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय पार्षद द्वारा चौराहे पर स्थित यूरिनल की मरम्मत/सुधार कराए जाने का अनुरोध किया गया, जिस पर सहायक अभियंता को यूरिनल का तकनीकी परीक्षण कर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने तथा आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इसी क्रम में दीप सिनेमा से सोटे बाबा मंदिर तक सीएम ग्रिड के अंतर्गत कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान हुंडई शोरूम और पुलिस चौकी के समीप अत्यधिक मात्रा में मलवा एवं कूड़ा एकत्र पाए जाने पर नगर आयुक्त महोदय द्वारा कड़ी नाराजगी व्यक्त की गई तथा संबंधित को फटकार लगाते हुए तत्काल मलवा एवं कूड़ा हटाकर स्थल की समुचित सफाई सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए।

आगे सीएम ग्रिड के अंतर्गत पुलिस चौकी के पास निरीक्षण के दौरान अत्यधिक मात्रा में मलवा, सीएंडडी वेस्ट एवं मिट्टी एकत्र पाए जाने तथा स्थल की स्थिति खराब होने पर नगर आयुक्त द्वारा संबंधित कार्यदायी संस्था को तत्काल अंतिम चेतावनी दिए जाने के निर्देश दिए गए। साथ ही स्पष्ट किया गया कि यदि 24 घंटे के भीतर मलवा, सीएंडडी वेस्ट एवं मिट्टी को पूर्ण रूप से हटाकर स्थल को साफ नहीं कराया जाता है, तो संबंधित कार्यदायी संस्था के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई करते हुए दंड अधिरोपित किया जाएगा।

इसके उपरांत यू.पी. किराना स्कूल के पास सीएम ग्रिड के अंतर्गत चल रहे सड़क निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया गया। मौके पर सड़क को तत्काल क्लियर कराने के निर्देश दिए गए। संबंधित संस्था द्वारा अवगत कराया गया कि यूटिलिटी शिफ्टिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि जल निगम की एक पाइपलाइन की कनेक्टिंग का कार्य अवशेष है, जिसे आगामी दो दिवस में पूर्ण कर लिया जाएगा।

मलेरिया-डेंगू प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग टीमों ने किया निरीक्षण

कानपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, कानपुर नगर के निर्देश पर नोडल अधिकारी (वीबीडी) डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कल्याणपुर के ग्राम भगवन्तपुर सचेंडी में मलेरिया के प्रकरण के दृष्टिगत स्वास्थ्य कैंप का निरीक्षण किया। टीम ने बुखार सर्वेक्षण, जांच, सोर्स रिडक्शन एवं अन्य निरोधात्मक गतिविधियों का सत्यापन किया और लोगों को मच्छरजनित रोगों से बचाव के प्रति जागरूक किया। ब्लॉक बिधनू में आगामी फाइलेरिया कार्यक्रम के लिए सीएचओ को प्रशिक्षण भी दिया गया।

तिवारीपुर, पटकापुरवा, दानाखोरी, कुरुसवां एवं विकास नगर में डेंगू के प्रकरण सामने आने पर आवश्यक निरोधात्मक कार्रवाई कराई गई। विभिन्न क्षेत्रों में एंटोमोलॉजिकल सर्वेक्षण, सोर्स रिडक्शन, लार्वानाशक छिड़काव एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। लोगों से घरों व आसपास पानी जमा न होने देने, जलभराव समाप्त करने, मच्छररोधी क्रीम का प्रयोग करने तथा शरीर को ढककर रखने की अपील की गई। तिवारीपुर-2 सहित विभिन्न क्षेत्रों में 627 घरों और 5,783 पात्रों का सर्वेक्षण कर 11 लार्वा धनात्मक घरों की पहचान की गई तथा 18 घरों में लार्वा नष्ट कराया गया।

संचारी रोगों से संबंधित सूचना या जानकारी के लिए यूएचएम चिकित्सालय, परेड स्थित कंट्रोल रूम के हेल्पलाइन नंबर 0512-2333810 एवं 9335301096 तथा नगर निगम कंट्रोल रूम के नंबर 0512-2526004 एवं 2526005 पर संपर्क किया जा सकता है।

समाधान दिवस से बदल गई रिंकी मिश्रा की दुनिया, चेहरे पर लौटी मुस्कान

» तहसील दिवस में 18 किमी पैदल चलकर लाई थी फरियाद, खुद उसके घर पहुंचे डीएम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। शनिवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह बिरसिंहपुर में रिंकी मिश्रा के घर पहुंचे तो इस मुलाकात से पिछले संपूर्ण समाधान दिवस की यादें भी जुड़ गईं। तब रिंकी अपनी परेशानियां लेकर डीएम तक पहुंची थी, इस बार डीएम खुद उसके दरवाजे पर खड़े थे। इन दो मुलाकातों के बीच रिंकी के जीवन की तस्वीर काफी बदल चुकी थी। चेहरे पर चिंता की जगह मुस्कान थी और सामने पक्के आशियाने की दीवारें खड़ी हो रही थीं।

गत 18 जुलाई को अभावों से जूझ रही रिंकी करीब 18 किलोमीटर पैदल चलकर इस भरोसे के साथ जिलाधिकारी तक पहुंची थी कि उसकी बात सुनी जाएगी। 19 सितंबर को फिर घाटमपुर में संपूर्ण समाधान दिवस था, लेकिन इस बार रिंकी को वहां जाने की जरूरत नहीं पड़ी। जिलाधिकारी खुद उसका हाल जानने उसके घर पहुंचे।

जिलाधिकारी की पहल पर जनसहयोग से रिंकी का पक्का मकान बनवाया जा रहा है। दीवारें खड़ी हो चुकी हैं और जल्द लिंटर डालने की तैयारी है। जिस परिवार के लिए कभी कमजोर छत चिंता का कारण थी, वह अब अपने सामने पक्का आशियाना बनते देख रहा है। जिलाधिकारी ने निर्माण की प्रगति देखी और परिवार से बातचीत कर उनका हाल जाना।रिंकी मिश्रा (41) की जिंदगी पिछले कई वर्षों से संघर्षों के बीच गुजर रही थी। पति राजीव मिश्रा की करीब 10 वर्ष पूर्व आकस्मिक मृत्यु के बाद दो बेटियों की पूरी जिम्मेदारी उसके कंधों पर आ गई। बड़ी बेटी 16 वर्ष की है और पूर्णतः दिव्यांग होने के कारण उसे लगातार देखभाल की जरूरत रहती है, जबकि छोटी बेटी अदिति 14 वर्ष की है। आय का कोई स्थायी जरिया नहीं होने और बेहद कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण घर चलाने से लेकर बेटियों की पढ़ाई, इलाज और भविष्य तक की चिंता रिंकी को घेरे रहती थी।

रिंकी की जिंदगी की छोटी-बड़ी कई चिंताएं भी एक-एक कर कम हुई हैं। जिस घर में रोज के राशन की चिंता थी, वहां अब अंत्योदय राशन कार्ड बन चुका है और रसोई गैस कनेक्शन भी मिल गया है। रिंकी की निराश्रित महिला पेंशन शुरू हो गई है तो आयुष्मान कार्ड से परिवार को इलाज के खर्च की आर्थिक सुरक्षा मिली है। दिव्यांग बेटी का यूनिक आईडी कार्ड बन गया है, जिससे उसके लिए दिव्यांगजन कल्याण की योजनाओं का रास्ता खुला है। बेटियों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना से भी आच्छादित किया जा रहा है।रिंकी के लिए एक बड़ा बदलाव अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर मिलना भी है। घर के निकट प्राथमिक विद्यालय में उसे रसोइया के रूप में काम मिल गया है। अब उसके पास नियमित आय का अपना जरिया है। कभी परिवार की रोजमर्रा की जरूरतों और बेटियों के भविष्य को लेकर परेशान रहने वाली रिंकी के लिए सरकारी योजनाएं केवल कागजी लाभ नहीं रहीं, बल्कि उसके जीवन को आगे बढ़ाने का माध्यम बनी हैं।अपने घर जिलाधिकारी को सामने देखकर रिंकी पिछली मुलाकात को याद किए बिना नहीं रह सकी। उसने बताया कि पिछले तहसील दिवस में वह डीएम साहब के पास गई थी और इस बार डीएम साहब खुद उसके घर आए हैं। सरकार की योजनाओं से उसे और उसके परिवार को बहुत मदद मिली है।विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बेटी अदिति ने पढ़ाई का साथ नहीं छोड़ा। उसकी पढ़ाई आर्थिक अभाव के कारण बाधित न हो, इसके लिए जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने पंडित राम यश मेमोरियल एजुकेशन सेंटर में उसका प्रवेश कराया और फीस भी जमा कराई थी। अब कक्षा सात की छात्रा अदिति ने यूनिट टेस्ट में प्रथम स्थान हासिल कर मां की उम्मीदों को नई उड़ान दी है। जिलाधिकारी उसके घर पहुंचे तो अदिति ने कहा कि वह भी बड़ी होकर डीएम बनना चाहती है और उनकी तरह सबकी मदद करना चाहती

पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा बाबूपुरवा क्षेत्र में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का लिया गया जायजा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत थाना बाबूपुरवा क्षेत्रान्तर्गत चौकी चार राड के आसपास पैदल गश्त किया गया।

इस दौरान क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए प्रमुख मार्गों, बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले स्थानों का निरीक्षण किया गया तथा पुलिस भी सक्रिय रूप से मौजूद रहे।पैदल गश्त के दौरान पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा स्थानीय दुकानदारों एवं आमजन से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं एवं सुरक्षा संबंधी जानकारी ली गई। आमजन से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई।

इस दौरान संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को क्षेत्र में निरंतर सतर्कता, नियमित पैदल गश्त एवं प्रभावी निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा स्पष्ट किया गया कि क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना पुलिस की प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की अवांछनीय गतिविधि पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

विभिन्न लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर नगर निगम कर्मचारियों ने खोला मोर्चा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम कर्मचारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों और समस्याओं को लेकर मोर्चा खोल दिया है। कर्मचारी संघ का आरोप है कि मुख्य सचिव के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अधिकारियों द्वारा उनकी समस्याओं और वार्ता को लेकर उदासीन रवैया अपनाया जा रहा है।कर्मचारी संघ ने स्पष्ट किया है कि पहले हुई मुलाकातों के बाद भी वार्ता की कोई निश्चित तिथि या समय तय नहीं किया गया है। संघ ने मांग की है कि संबंधित अधिकारियों को तत्काल वार्ता के आदेश जारी किए जाएं और कर्मचारियों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए।संघ द्वारा शासन और प्रशासन के समक्ष उठाई गई प्रमुख मांगें और बिंदु में मुख्यमंत्री की घोषणा और शासनादेश के क्रम में कानपुर नगर निगम के सभी आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारियों व अन्य कर्मियों (जैसे कंप्यूटर ऑपरेटर, अकाउंटेंट) का विवरण 'आउटसोर्स सेवा निगम' पोर्टल पर जल्द फीड कराया जाए तथा एक वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी करने वाले कर्मचारियों के स्थायीकरण और पदोन्नति की प्रक्रिया समय पर पूरी की जाए। उद्यान विभाग के मालियों को 'हेड माली' और सफाई कर्मचारियों को 'सफाई नायक' के पद पर जल्द प्रोन्नत किया जाए।कहा गया चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को योग्यता व वरिष्ठता के आधार पर कनिष्ठ लिपिक के पद पर 20त्न कोटे के तहत पदोन्नति दी जाए। इसके अलावा, वर्षों से लंबित वर्दी का तत्काल वितरण या उसका नकद भुगतान किया जाए। साथ ही कर्मचारियों के वेतन, भत्ते और एरियर का भुगतान न कर उस धनराशि को अन्य मदों में खर्च करने के मामले की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई है और मृतक आश्रितों को एक माह के भीतर नियुक्ति दी जाए और लंबित,ष्टक्क पत्रावलियों को समय से कार्मिक विभाग भेजने के निर्देश दिए जाएं, ताकि कर्मचारियों को कोर्ट न जाना पड़े, इसके साथ ही जांच में देरी होने पर निलंबित कर्मचारियों की सशर्त बहाली की जाए।

केस्को एसडीओ के बिगड़े बोल, कहा ‘डॉक्टर हूँ, दर्द है तो दस बार आना पड़ेगा’

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। योगीराज में अधिकारी बेलगाम हो गये, किसी पीड़ित से किस तरह व्यवहार करना है, किस तरह उसकी समस्या को सुनकर उसका निदान करना है इससे उन्हें कोई मतलब नहीं है फिर चाहे सरकार की कितनी भी किरकिरी क्यों न हो!

ताज़ा मामला दक्षिणांचल विद्युत निगम लिमिटेड उपखंड गोविंदनगर कानपुर का है जहाँ पीड़ितों से एस डी ओ कह रहे थे कि एक बार में किसी समस्या का

निदान नहीं होगा, दर्द है तो दस बार आना पड़ेगा!

आपको बताते चलें कि दिनांक 18/09/2026 को इंटरनेशनल मीडिया प्रेस क्लब (Regd.) Trust No:127, ISO 9001-2015, NITI Aayog: UP/2025/0511489, MSME: UP-43-0194958 के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर त्यागी अपनी विद्युत संबंधी समस्या को लेकर एस डी ओ विद्युत वितरण खंड गोविंदनगर से मिलने उनके गोविंदनगर स्थित ऑफिस गये हुए थे जहाँ एस डी ओ साहब बड़ी बेरुखी से फरियादियों से बातें कर रहे थे।इंटरनेशनल मीडिया प्रेस क्लब के चेयरमैन उमाशंकर त्यागी ने जब उनसे अपनी समस्या बताते हुए कहा कि उनके मोबाइल में जब विद्युत कर जमा करने का संदेश आता है वह विद्युत कर जमा कर देते हैं, हर बार समय से बिल जमा करने के बावजूद उनका कनेक्शन काटने की धमकी और अतिरिक्त शुल्क लगाया जा रहा है। जिस पर एसडीओ साहब ने कहा ङ्क ‘मैं डॉक्टर हूँ, एक बार में इलाज नहीं होता, दर्द है तो दस बार आना पड़ेगा’।

इस तरह की भाषा एक सरकारी अधिकारी को शोभा नहीं देती। योगी सरकार में जहाँ अधिकारियों को जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश हैं, वहीं गोविंदनगर के एसडीओ का यह रवैया सरकार की छवि को धूमिल कर रहा है। इंटरनेशनल मीडिया प्रेस क्लब इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करता है और उच्चाधिकारियों से मांग करता है कि संबंधित एसडीओ के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

वहीं खबर लिखे जाने तक जब बीपीएस न्यूज कार्यालय से खबर पर एसडीओ का पक्ष जानने के लिए उनके मोबाइल नंबर 9415 909011 पर संपर्क किया गया तो उनके द्वारा फोन नहीं उठाया गया।

मोबाइल टावर बैटरी एवं कार्ड चोरी गिरोह का खुलासा, चार अभियुक्त गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। थाना बिठूर क्षेत्र में मोबाइल टावरों से बैटरी एवं कार्ड/कॉम्पोनेंट चोरी के संबंध में पंजीकृत अभियोग के अनावरण हेतु थाना पुलिस, क्राइम टीम एवं सर्विलांस टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए चार अभियुक्तों सूरज शुक्ला, अंकित अवस्थी, विकास वाजपेयी एवं आदित्य शुक्ला को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में अभियुक्तों द्वारा विगत लगभग एक माह में बिठूर, सेन पश्चिम पारा, गोविंद नगर सहित अन्य थाना क्षेत्रों में 7ङ्क8 मोबाइल टावरों से चोरी की घटनाएं करना स्वीकार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से चोरी से संबंधित सामग्री बरामद हुई है।चोरी किए गए पार्ट्स से एल्युमिनियम एवं कॉपर निकालकर बाजार में बेचने की जानकारी प्राप्त हुई है। अभियुक्तों के मोबाइल डेटा एवं सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया जा रहा है। सप्लाई चेन में अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया है।

कानपुर के फीलखाना थाना क्षेत्र में पुलिस की बर्बरता का सनसनीखेज मामला आया सामने

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सिरकी मोहाल चौकी इंचार्ज सत्येंद्र कुमार पर एक युवक को थर्ड डिग्री टॉर्चर देने का गंभीर आरोप है। सिरकी मोहाल चौकी कलेक्टरगंज थाने में आती है। आरोप है कि पीड़ित अमन अग्रवाल को पुलिस जबरन पकड़कर चौकी ले आई थी। आरोप है कि निर्दोष अमन को पूरी रात चौकी में बंधक बनाकर पट्टे से बेरहमी से पीटा गया। युवक के शरीर पर पट्टे की मार और चोटों के गहरे निशान साफ नजर आ रहे हैं।घटना की सूचना मिलते ही आर्यनगर विधायक अमिताभ

बाजपेई तत्काल सिरकी मोहाल चौकी पहुंचे। पीड़ित की हालत देखकर आक्रोशित विधायक पुलिस चौकी परिसर में ही धरने पर बैठ गए। विधायक अमिताभ बाजपेई ने दोषी चौकी इंचार्ज सत्येंद्र कुमार पर तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की। विधायक का दो टूक अल्टीमेटम- जब तक दोषी दरोगा पर कड़ी कार्रवाई नहीं होगी, धरना जारी रहेगा।

गणेश महोत्सवः पटकापुर में गूंजे सुंदरकांड के पाठ, भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मोहा मन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पटकापुर स्वच्छता समिति द्वारा आयोजित गणेश महोत्सव के दूसरे दिन पूजा पंडाल में भक्ति और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम की शुरुआत श्रद्धापूर्वक सुंदरकांड के पाठ से हुई, जिसके बाद स्थानीय कलाकारों और बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। भौगोलिकसंदर्भ

समिति के अध्यक्ष अरुण कुमार अस्थाना ने बताया कि महोत्सव में पटकापुर के निवासियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर सुंदरकांड पाठ और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना कर अपने उज्ज्वल भविष्य और क्षेत्र की समृद्धि की कामना की। ?कार्यक्रम के अंत में श्री गणेश जी की महाआरती की गई और उपस्थित सभी श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरित किया गया।

इस दौरान समिति की उपाध्यक्ष गीता पांडे, संरक्षक कमल चंद बाजपेई व रमेश चंद बाजपेई, महामंत्री दीपक निगम, मंत्री पारसनाथ शुक्ला, मनीष अस्थाना, रानी त्रिवेदी तथा सदस्य विक्की जायसवाल, विजय निगम और ओमप्रकाश गुप्ता मौजूद रहे। इसके अलावा अंजनी भक्त मंडल के विक्रम अवस्थी, मनोज उपाध्याय, राजकमल सिंह, सतीश चंद्र शर्मा सहित पटकापुर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

दवा व्यापारी हत्याकांड में आरोपी बहू सहित तीन अपराधियों को न्यायालय मे किया गया पेश

» मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रदीप कुमार शुक्ला की कोर्ट में किया गया हाजिर

» दुपट्टे से अपना मुंह छिपाती रही अरोपी बहू शालू

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। दवा व्यापारी विनीत मिनोचा हत्याकांड की आरोपी उनकी बहू शालू सहित तीन आरोपियों को बुधवार की सुबह कानपुर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इसी बीच आरोपी बहू अपना मुंह कपडे से ढके रही और कैमरे से बचती नजर आयी। पुलिस कर्मियों ने सावधानी के साथ उसे न्यायिक मजिस्ट्रे प्रदीप कुमार शुक्ला की कोर्ट में हाजिर किया।

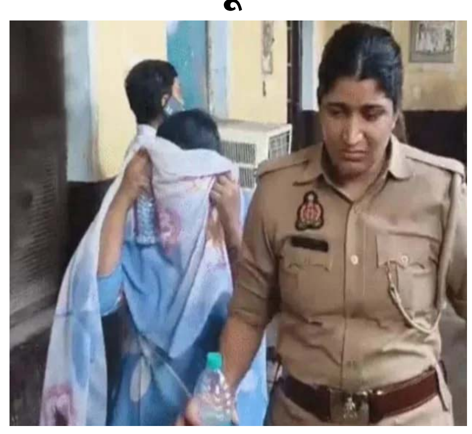

पुलिस का कहना है आरोपियों से पूंछतांछ के दौरान अहम सुराग मिले है। बताया कि दो आरोपियों में एक घटना को अंजाम देने के लिए अंदर जाना था और दूसरे को बाहर रह कर निगरानी करनी थी लेकिन दवा व्यापारी शरीर से मजबूत थे इस लिए मौके पर दोनो ने प्लान बदला और दोनो ही घर के अंदर गये।

पुलिस ने यह भी बताया कि विशाल, शालू, सुब्रत तीनो की कॉल डिटेल चेक किये गये और यह पाया गया कि तीनो एक दूसरे के संपर्क में रहे है। घटना के पहले के मिले साक्ष्यो के आधार पर कड़ी जुड़ती जा रही है। फिलहाल पुलिस द्वारा आरोपियों को रिमांड में लेने के लिए प्रार्थनापत्र दिया गया है।

यूपीआई चार्ज के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन भाजपा को बताया आमजन और दुकानदार विरोधी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। यूपीआई भुगतान पर लगाए जा रहे चार्ज के विरोध में कानपुर महानगर कांग्रेस द्वारा शिवाला बाजार में दुकानदार और आमजन के बीच विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन का नेतृत्व महानगर कांग्रेस जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने किया। विरोध में जोरदार नारेबाजी की। भाड़ी पुलिस बल तैनात रही।प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आरोप लगाया कि नए नियमों के माध्यम से छोटे दुकानदारों और आम जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की तैयारी की जा रही है। कांग्रेस नेताओं ने भाजपा को आमजन और दुकानदार विरोधी बताते हुए कहा कि पहले से महंगाई और आर्थिक दबाव झेल रहे छोटे व्यापारियों पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त चार्ज उनकी मुश्किलें बढ़ाएगा।जिलाध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि डिजिटल भुगतान आज आम जनता और छोटे दुकानदारों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुका है। ऐसे में यूपीआई लेन-देन पर अतिरिक्त शुल्क का भार डालना छोटे व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं के हित में नहीं है। उन्होंने मांग की कि सरकार इस व्यवस्था पर तत्काल पुनर्विचार करे और आम जनता तथा छोटे दुकानदारों पर पड़ने वाले अतिरिक्त आर्थिक बोझ को समाप्त करे।कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के माध्यम से सरकार से यूपीआई चार्ज वापस लेने और छोटे दुकानदारों एवं आम उपभोक्ताओं को राहत देने की मांग की। पवन गुप्ता, शंकरदत्त मिश्रा, नरेश पाठक, इखलाख डेविड, हरीश बाजपेई, राजकिशोर वर्मा, कृपेश त्रिपाठी, रवि बाजपेई, जावेद उस्मानी, राकेश साहू, विनय पांडे, मुकेश कन्नौजिया, फजल अमीर, अजय सिंह, शांतनु दीक्षित, रामजी दुबे, धर्मेंद्र सिंह, जीतेंद्र ब्रह्म, दिनेश सिंह, अमिताभ मिश्रा, सजल तिवारी, विनोद अवस्थी, मेराज अहमद आदि थे।

बारिश पर भारी पड़ी बजरंगबली की भक्ति!

» बीपीएस न्यूज

» भैरमपुर बरगदेश्वर महादेव मंदिर में सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन

कानपुर। भैरमपुर आवास विकास स्थित प्रसिद्ध बरगदेश्वर महादेव मंदिर में भव्य सुंदरकांड एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।कार्यक्रम के दौरान मौसम ने करवट ली और भयंकर बारिश शुरू हो गई, लेकिन इसके बावजूद भक्तों की आस्था डिगी नहीं। श्रद्धालुओं ने मूसलाधार बारिश के बीच भी पूरी तन्मयता और भक्ति भाव से हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का सस्वर पाठ किया। हर तरफ बजरंगबली और महादेव के जयकारों से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा।इस भव्य धार्मिक अनुष्ठान में हिन्दू रक्षा दल के जिला अध्यक्ष नीरज श्रीवास्तव जी, सुमित मनी चौधरी एडवोकेट, राजेश राजपूत सामाजिक कार्यकर्ता, नैमिष अवस्थी, रिशु राजपूत हिन्दू गौ रक्षक दल और राजा सैनी,हिन्दू रक्षा दल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही सुधीर कुमार, कन्हैया राजपूत, अनिल राजपूत सहित क्षेत्र की मातृशक्ति से अन्जू ठाकुर, लक्ष्मी माँ, रागनी, सुशीला देवी, सीता राजपूत एवं समस्त क्षेत्रीय गणों ने भयंकर बारिश के बीच भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। पाठ की समाप्ति के बाद भगवान को भोग लगाया गया और उपस्थित सभी भक्तों के लिए प्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें भारी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बीपीएस न्यूज (साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजें।